राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 239 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 27 जून 2025 www.samaydarshan.in

आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

सुरक्षाबलों ने मार गिराया जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी

जम्मू (एजेंसी)। उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है जबकि तीन के घिरे होने की खबर है। दोनों तरफ से फायरिंग हो रही है। मुठभेड़ में मारा गया आतंकी जैश-ए-मोहम्मद का है। जानकारी के मुताबिक, बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में आंतकियों के देखे जाने की सूचना पर सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों को पनाह देने वाले मददगार तो गिरफ्तार कर लिए गए हैं, लेकिन दहशतगर्द अब भी पकड़ से बाहर हैं। इतना

भी स्पष्ट हो गया है कि हमला करने वाले तीन आतंकी थे। तीनों लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी नागरिक हैं। इन आतंकियों को लेकर जांच एजेंसियां दो थ्योरी पर काम कर रही हैं। पहली यह कि आतंकी सफलतापूर्वक पाकिस्तान भाग गए होंगे। ये आतंकी 22 मई को किश्तवाड़ में हुई मुठभेड़ में भी घेरे गए थे, लेकिन बच निकले। दूसरी यह कि अगर तीनों कश्मीर के पुलवामा जिले के त्राल इलाके में छिपे हैं तो वे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक संचार का उपयोग नहीं कर रहे। त्राल आतंकियों का गढ़ है। यहां आतंकियों को स्थानीय स्तर पर काफी मदद मिलती है। पुलवामा में सीआरपीएफ के जवानों पर हमला करने की साजिश को अंजाम देने वाले भी इसी क्षेत्र में रहते थे। इसे लेकर पुलवामा के चप्पे-चप्पे को लगातार खंगाला जा रहा है। पूर्व से लेकर अब तक इस क्षेत्र में सक्रिय रहे आतंकियों और उनके परिवारों पर नजर रखी जा रही है। दो माह से एनआईए व अन्य एजेंसियां लगातार तलाश में जुटी हैं। दो लोगों का पकड़ा जाना उसी प्रयास का हिस्सा है। बायसरन में वारदात को अंजाम देने वाले आतंकी कमांडो जैसी ट्रेनिंग लेकर आए थे। उन्हें घुसपैठ करने और वारदात को अंजाम देकर बच निकलने की विशेष ट्रेनिंग मिली थी। फिलहाल वे इन इलाकों से बाहर जा चुके हैं। अभी भी आतंकियों के लिए रेकी करने वाले मददगार स्थानीय लोगों के बीच रिश्तेदार बनकर रह रहे हैं। - विजय सागर धीमान, ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहली गिरफ्तारी की है। इसके लिए पूरे दो महीने लगे हैं।

इस दौरान करीब दो हजार संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। इनमें बायसरन घाटी में काम करने वाले घोड़ेवाले, पिट्ठू वाले, स्थानीय दुकानदार और पर्यटन से जुड़े अन्य लोग शामिल हैं। एनआईए ने इस हमले में मारे गए लोगों के परिजनों से बनाए गए वीडियो, तस्वीरों को भी लिया। इनकी गहनता से जांच की गई।

शुभांशु तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहुंचे आईएसएस, स्पेस स्टेशन पर बिताएंगे 14 दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और अन्य यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। अंतरिक्ष यान करीब 28.5 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून गुरुवार को भारतीय समय के अनुसार शाम करीब 4:01 बजे आईएसएस से जुड़ा। डॉकिंग अनुक्रम भारतीय समयानुसार शाम 4:15 बजे पूरा हुआ। अंतरिक्ष यान के सॉफ्ट कैप्चर के बाद हार्ड-मेटिंग तब पूरी हुई जब दोनों ऑर्बिट बॉडी 12 हुक के सेट के साथ एक दूसरे से जुड़ गई और उनके बीच संचार और पावर लिंक स्थापित किए गए। यह पहली बार है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर गया है। अंतरिक्ष

यात्रियों के अंतरिक्ष स्टेशन पर चढ़ने से पहले हैच खोलने की प्रक्रिया में लगभग दो घंटे लगते हैं। अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन मिशन कमांडर हैं और शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के लिए मिशन पायलट हैं। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आईएसएस के लिए सफल उड़ान भरी थी। स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल की सफल डॉकिंग पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, बधाई हो...एक्सिओम-4 डॉकिंग सफल रही। शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के द्वार पर खड़े हैं। भीतर कदम रखने के लिए तैयार, 14 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा शुरू होने वाली है..और पूरा विश्व उत्साह और अपेक्षा के साथ देख रहा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफल उड़ान भरने के साथ ही नया इतिहास रच दिया।

तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ रवाना हुए शुभांशु की यह यात्रा 41 साल बाद किसी भारतीय की पहली अंतरिक्ष यात्रा है। आईएसएस की यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा रूसी अंतरिक्ष यान सोयूज के जरिये अंतरिक्ष में गए थे।

एग्जियोम मिशन में क्या होगी शुभांशु शुक्ल की भूमिका?- शुभांशु शुक्ल इस मिशन में पायलट के तौर पर आईएसएस भेजे जा रहे हैं। यानी जिस ड्रैगन कैप्सूल के जरिए एग्जियोम-4 मिशन को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) रवाना किया जाएगा, शुभांशु उसको गाइड करने (नैविगेशन) में अहम भूमिका निभाएंगे।

राजनाथ का संयुक्त वक्तव्य पत्र पर दस्तखत से किया इनकार...

नई दिल्ली/ एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चीन में एससीओ बैठक में संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया और सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर कटाक्ष करने और भाग लेने वाले देशों से ऐसे कृत्यों के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की अपील करने के बाद भारत के आतंकवाद विरोधी रुख पर जोर दिया। रिपोर्टों में कहा गया है कि एससीओ बैठक में संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख कमजोर हो जाएगा। चीन पूर्वी शहर क़िंगदाओ में 25 से 26 जून तक दो दिवसीय एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक की मेजबानी कर रहा है। इस बैठक में शंघाई सहयोग संगठन के सभी दस पूर्ण सदस्य देशों के रक्षा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हो रहे हैं: भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और सबसे नए सदस्य बेलारूस। चीन की 2025 की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का विषय है शंघाई भावना को बनाए रखना: एससीओ आगे बढ़ रहा है। उम्मीद है कि वे इस दौरान अपने चीनी और रूसी समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। एजेंडे में मुख्य विषयों में सीमा सुरक्षा, क्षेत्रीय रक्षा सहयोग और आतंकवाद विरोधी संयुक्त प्रयास शामिल हैं।

दो पहिया वाहनों पर नहीं लगेगा को कोई टोल-नितिन गडकरी..

नई दिल्ली/ एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि 15 जुलाई 2025 से दोपहिया वाहनों को टोल टैक्स देना होगा। मीडिया के दावों को खारिज करते हुए गडकरी ने कहा कि ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। उन्होंने बिना पुष्टि किए फर्जी खबरें प्रकाशित करने के लिए मीडिया घरानों की निंदा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ मीडिया घराने दोपहिया वाहनों पर टोल टैक्स लगाने के बारे में भ्रामक खबरें फैला रहे हैं। ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल पर छूट पूरी तरह जारी रहेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भी इन फर्जी मीडिया रिपोर्टों की तथ्य-जांच की। एनएचएआई ने एक पोस्ट में कहा, फैक्टचेक: मीडिया के कुछ वर्गों ने रिपोर्ट की है कि भारत सरकार दोपहिया वाहनों पर उपयोगकर्ता शुल्क लगाने की योजना बना रही है। एनएचएआई स्पष्ट करना चाहता है कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है। हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि 15 जुलाई से सभी दोपहिया वाहनों को राजमार्गों पर टोल टैक्स देना होगा। रिपोर्टों में आगे दावा किया गया है कि दोपहिया वाहनों को डिजिटल टोल संग्रह के तहत लाने के कदम के साथ सरकार यह सुनिश्चित करने की योजना बना रही है।

ओडिशा के पुरी में आज से जगन्नाथ रथ यात्रा शुरू

पूरी रथयात्रा की सुरक्षा में एनएसजी,और 10,000 पुलिस कर्मी तैनात,एआई का भी हो रहा इस्तेमाल

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में कल यानी 27 जून से जगन्नाथ रथ यात्रा शुरू होने जा रही है। हर साल आयोजित होने वाली इस यात्रा में देशभर से हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए आते हैं। यही वजह है कि पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए हैं। इस साल रथ यात्रा में एनएसजी की तैनाती की गई है, इसके साथ ही श्रद्धालुओं पर नजर रखने के लिए एआई का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। आपको बता दें, यह पहली बार है जब पुरी रथ यात्रा में एनएसजी की तैनाती और एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस साल रथ यात्रा के लिए पुरी प्रशासन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर रहा है ताकि श्रद्धालुओं को कम से कम परेशानी के साथ ज्यादा से ज्यादा सुविधा दी जा सके। इसके लिए उन्होंने चैटबॉट की व्यवस्था की

है। यह चैटबॉट पुरी में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की मदद करेगा। इसकी मदद से श्रद्धालु यह देख पाएंगे कि उनके लिए कौन सा रूट सही रहेगा। अगर रास्ते में कहीं कोई रुकावट है तो यह चैटबॉट उसे भी बताएगा और डायवर्ट रूट का सुझाव भी देगा। इसके अलावा इसकी मदद से श्रद्धालु यह भी पता लगा सकते हैं कि पुरी में कहां पार्किंग की जगह है और वह जगह खाली है या नहीं। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि भीड़ पर नजर रखी जा सके। इसके जरिए यह पता लगाया जाएगा कि कहां ज्यादा भीड़ है और उसी हिसाब से रूट डायवर्ट किए जाएंगे। ओडिशा में होने वाली रथ यात्रा के लिए प्रशासन ने इस साल सुरक्षा के अभूतपूर्व और विशेष इंतजाम किए हैं। ओडिशा के डीजीपी वाईबी खुरानिया ने बताया कि सभी खुफिया जानकारियों को ध्यान में रखते हुए, इस बार पहली बार नेशनल सिक्योरिटी गार्ड और उनके स्नाइपर्स को तैनात किया जा रहा है। एनएसजी की तैनाती: इतिहास में पहली बार रथ यात्रा में ह्स्त को तैनात किया जा रहा है, जिसमें उनकी क्रिक एक्शन टीम और स्नाइपर भी शामिल होंगे। बड़ी संख्या में सुरक्षाबल: 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।

जो पिछले वर्षों की तुलना में कई गुना ज्यादा है। इसके अलावा, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के जवान भी सुरक्षा में मुस्तैद रहेंगे। ड्रोन निगरानी और एंटी-ड्रोन सिस्टम: सुरक्षा के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कई गुना बढ़ाया गया है। साथ ही, किसी भी अनाधिकृत ड्रोन को देखते ही उसे मार गिराने की भी तैयारी है। एकीकृत नियंत्रण कक्ष: एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां सभी एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी चौबीसों घंटे मौजूद रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

घुमंतू पशुओं के कारण फसल हो रहे बर्बाद, कांग्रेस समर्थित पार्षदों ने सीएमओ से उचित व्यवस्थापन की मांग रखी, नगर पंचायत पाटन का मामला

पाटन। नगर पंचायत पाटन में घुमंतू मवेशियों के कारण किसानों के फसल को नुकसान हो रहा है। मवेश यो का जमघट रात्रि को तो सड़क पर लगती है लेकिन दिन में वह किसानों के खेतों में लगी फसल को नुकसान पहुंचाते हैं । इसके लिए घुमंतू मवेशियों की व्यवस्थापन की मांग करते हुए आज कांग्रेस समर्थित पार्षदों ने नगर पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत वर्मा से मुलाकात कर उचित व्यवस्थापन की मांग किया है । नगर पंचायत पाटन के नेता प्रतिपक्ष आभास दुबे सहित वरिष्ठ पार्षद पुरुषोत्तम कश्यप, उप नेता प्रतिभा यादव एवं विधायक प्रतिनिधि कमल किशोर वर्मा, सरजू साहू ,मनोज कुर्रे, वीरेंद्र कौशिक ने सीएमओ से मिलकर नगर में घुमंतु मवेशियों की उचित व्यवस्थापन की मांग किया है ।जिससे कि नगर के किसानों का जो फसल है वह सुरक्षित रह सके।

शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम मे शामिल हुए - अनिल शर्मा

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। शास.कन्या पूर्व मा.शाला नैला के अध्यक्ष व भाजपा नेता अनिल शर्मा शाला जाकर बच्चो के प्रवेश उत्सव कार्यक्रम मे शामिल हुए उन्होंने उपस्थित बच्चो को संबोधित करते हुए कहा कि आप शाला नियमित रुप से आवे एवं पूर्ण गणवेश के साथ आवे इससे आपके जीवन मे अनुशासन आता है शिक्षक के द्वारा कक्षा मे बताई बातो को ध्यान से सुने आप भविष्य मे जो भी बनना चाहते है उसका लक्ष्य अभी से निर्धारित करे श्री शर्मा ने उपस्थित बच्चो को पुस्तक सामग्री वितरित की उक्त कार्यक्रम मे नगपालिका उपाध्यक्ष मोहन यादव पार्षद रघुनन्दन कश्यप राकेश रुपवानी फिरदौस खान सम्पत राठौर एवं शाला परिवार के प्रधान पाठक शिक्षक शिक्षिकाए समस्त स्टाफआदि उपस्थित।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस : नशामुक्ति के लिए जिले में निकाली गई रैली, किए गए वृक्षारोपण

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के मौके पर जिले मे नशामुक्ति के लिए रैली निकाली गई। जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस रैली की शुरूआत जिला अस्पताल धमतरी से हुई। रेडक्रॉस सोसयटी के वॉलिंटियर्स और जिला अस्पताल के निर्सिंग प्रशिक्षुओं द्वारा निकाली गई। इसके अलावा गौरव ग्राम कण्डेल में भी विद्यार्थियों द्वारा नशामुक्ति रैली निकाली गई। यह रैली दिव्यांग प्रेरणा जनकल्याण समिति धमतरी द्वारा निकाली गई इस रैली को शासकीय माध्यमिक विद्यालय कंडेल के प्रभारी प्रधानपाठक श्री नीलमणी बोदेले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी और दिव्यांग प्रेरणा जनकल्याण समिति के सदस्यों तथा ग्रामीणजनों ने नशा विरोधी संदेश देते हुए लोगों को जागरूक किया। यह रैली शासकीय माध्यमिक विद्यालय से होते हुए सुभाष चौक तक निकाली गई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्रीमती संतोषी बिश्नोई, संस्थापक श्री बसंत कुमार बिश्नोई, श्रीमती सुमन साहू, श्री रोहित साहू, श्री घनश्याम साहू, श्रीमती सुलेखा अली, श्री डेराराम नीलकंठ एवं और स्कूल स्टॉ श्री आर पी साहू, श्रीमती मोहिनी ठाकुर, श्री टेमेश पटेल और समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक श्रीमती मनीषा पांडे मौजूद रहीं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में नशामुक्त भारत अभियान के तहत इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी टीम द्वारा जनजागरुकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने "नशा नाश की जड़ है," "नशा मुक्त भारत" "स्वस्थ भारत" आदि नारों के जरिए नशा से बचने और दूर रहने के लिए जनजागरण अभियान चलाया गया। इसके साथ ही कण्डेल के स्कूल परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।

निधन : डोगेन्द्र साहू

बेमेतरा। साजा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेलतरा के डोगेन्द्र साहू पिता श्री रामजी साहू उम्र लगभग 45 वर्ष का स्वर्गवास गुरुवार को हो गया है। इनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया।वे रेवाराम साहू के बड़े भाई एवं तोरन साहू,सूरज साहू के पिता थे।

आरबीआई कीजमाकर्ता शिक्षा व जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

मोहला (समय दर्शन)। समर्पित संस्था द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक की जमाकर्ता शिक्षा व जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज दिनांक 25 जून,को ग्राम चिल्हाटी के आराधना संकुल, विकास खण्ड अंबागढ़ चौकी ,जिला- मोहला में किया गया।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बैंक उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं उनके हितार्थ वित्तीय योजनाओं के प्रति जागरुक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में जिला लीड बैंक अधिकारी के.एम. सिन्हा और एफएल.सी रोहित पाल की उपस्तिथ थीं। मुख्य अतिथि की आसंदी से जिला लीड बैंक अधिकारी के.एम. सिन्हा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में बचत करता है, लेकिन प्राय: देखने में आता है कि गरीब तबके के लोग अपनी जमा पूँजी को जानकारी के अभाव में अवैध चिटफंड कंपनी और माइक्रो फाइनेंस कंपनी में जमा कर देते हैं और जहाँ पर वे धोखा घडी के शिकार हो जाते हैं, जबकि आवश्यकता इस बात कि है कि यदि वे अपनी जमापूँजी राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा करें तो एक ओर उनकी जमापूँजी सुरक्षित रहेगी वहीं दूसरीओर उन्हें बैंक उपभोक्ताओं के हितार्थ ब्याज, लोन, बीमा आदि योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंनें कहा कि समर्पित संस्था का कार्य इस लिये भी सराहनीय है कि उन्होंनें कार्यशाला में समाज के निचले तबके के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की है।कार्यक्रम के उद्देश्य के विषय में जानकारी देते हुये समर्पित संस्था के अध्यक्ष डॉ.संदीप शर्मा ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक से जुडे उपभोक्ताओं के सामने आने वाली विभिन्न परेशानियों को देखते हुये उन्हें जागरुक करने के लिये जमाकर्ता शिक्षा और जागरुकता कार्यक्रम की शुरुआत की है।उन्होंने बताया कि जमाकर्ता अपने अधिकार और वित्तीय शिक्षा के प्रति अज्ञानता के कारण ही लगातार चिटफंड कंपनी, ऑनलाइन शॉपिंग, दूरभाष में ए.टी.एम. की जानकारी आदि माध्यमों से ठगी का शिकार हो रहा है। इन सभी को ध्यान में रखते हुये कार्यशाला के माध्यम से बैंक उपभोक्ताओं को बैंक खाता खुलवाने, उसका संचालन, बचत योजना, वित का प्रबंधन, के.वाय.सी. प्रक्रिया, बैंक ऋण, ऋण संबंधित उपभोक्ताओं के अधिकार, जमाकर्ताओं के अधिकार, बैंकिंग लोकपाल, चिटफंड कंपनियों, नान बैंकिंग फाइनेंस कंपनी आदि की जानकारी दी जा रही है। इस कार्यशाला में एस.एच.जी महिला के बीच के 50 लोगों को शामिल किया गया ताकि वित्तीय शिक्षा का प्रसार जमीनी स्तर पर हो सके।कार्यशाला का संचालन मास्टर ट्रेनर हितेष मिश्रा व संतोषी बधेल ने किया।इस कार्यशाला को सफल बनाने में संस्था के समन्वयक पी.एल.खैरवार, पी.एल.खैरवार, निमेष साहू, झामेश्वर पाल, परदेशी कोसारे, नीलिमा जैन, रजनी वर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा। उक्त जानकारी संस्था के समन्वयक पी.एल.खैरवार ने दी।

दंतेवाड़ा युक्तियुक्तकरण के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल, कलेक्टोरेट का किया घेराव

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। युक्तियुक्तकरण नीति के विरोध में दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 2 बजे आंवराभाटा दुर्गा मंडप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए रैली निकाली और कलेक्टोरेट पहुंचे। कलेक्टोरेट गेट पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोक दिया, जिसके दौरान हल्की झड़प भी हुई। इसके बाद कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम डीईओ को ज्ञापन सौंपा।पूर्व विधायक देवती कर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने 45 हजार शिक्षक भर्तियों का वादा किया था, लेकिन अब 10 हजार से अधिक स्कूल बंद करने की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह नीति दूरस्थ क्षेत्रों में स्कूलों की कमी को बढ़ाएगी और सरकार का दावा कि स्कूल बंद नहीं होंगे, पूरी तरह झूठा है।जिला कांग्रेस नेता छविंद्र कर्मा ने कहा कि सरकार शिक्षक भर्तियों से बचने के लिए 45 हजार शिक्षक पदों को समाप्त कर रही है। उन्होंने कहा, पद ही खत्म कर दिए जाएंगे तो भर्तियां कैसे होंगी? युक्तियुक्तकरण के जरिए भाजपा सरकार ने शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात किया है। जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बस्तर को विकास की राह से हटाकर बदहाली की ओर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का अलख जगाने वाले शिक्षकों को जबरन स्थानांतरित किया जा रहा है। साथ ही, अतिथि शिक्षकों को हटाने से उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है, महिलाएं असुरक्षित हैं और अराजकता का माहौल है।जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा ने कहा कि ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस करने पर तुली है। उन्होंने प्रशासन पर नियंत्रण की कमी और सरकारी आदेशों की अवहेलना का भी आरोप लगाया।जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री विमल सलाम ने कहा कि सरकार एक ओर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर स्कूलों को खाली कर रही है। उन्होंने इसे सरकार की दोहरी नीति करार देते हुए कहा कि यह षडयंत्र बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा ने कहा कि युक्तियुक्तकरण से न केवल शिक्षकों का भविष्य खतरे में है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार की नीतियों को शिक्षा विरोधी बताया।प्रदर्शन में विरेंद्र गुप्ता, मृणाल राय, भीमसेन मंडावी, बबूल सिद्दकी, प्रवीण राणा, कालोचन सेठिया, भास्कर राठौड़, अजय मरकाम, राजकुमार जायसवाल, मनोज करौव, अनिल कर्मा, इंदिरा शर्मा, सुमित्रा सोरी, इंदिरा ठाकुर, ज्योति राव, राधा नाग, आशा पार्टीदार, रविश सुराना, मनीष ठाकुर, राहुल महाजन, जीतू कश्यप, धीरू नाग, वीरू ठाकुर, सहदेव नाग, लाचू मंडावी, प्रशांत बांशोड, गायन सिंह, उमेश कश्यप, गौरव गुप्ता, अर्जुन भास्कर, शैलेंद्र ठाकुर, शैलेंद्र यादव, रघुवीर यादव, त्रिलोक मंडावी सहित सैकड़ों कांग्रेसी शामिल थे।

दंतेश्वरी मंदिर में 125 जोड़ों का सामूहिक विवाह, सांसद-विधायक ने दी शुभकामनाएँ

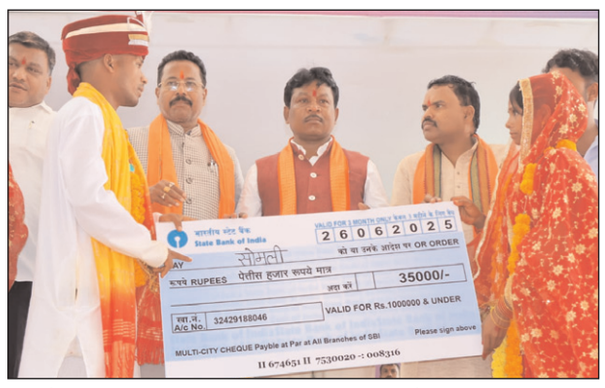

दंतेवाड़ा, (समय दर्शन)। माँ दंतेश्वरी मंदिर के पवित्र प्रांगण में मेंढका डोबरा मैदान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 125 जोड़ों ने विधिवत विवाह बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। इस सामूहिक विवाह समारोह में बस्तर सांसद महेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और नवदंपत्तियों को आशीर्वाद दिया।सांसद कश्यप ने कहा, माँ दंतेश्वरी के आशीर्वाद से इन जोड़ों ने नई यात्रा शुरू की है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाएँ, जैसे 'महतारी वंदन', 'मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान' और 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना', समाज के हर वर्ग को सशक्त बना रही हैं। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सरकार की अभिभावकीय भूमिका का प्रतीक है। विधायक चैतराम अटामी ने नवविवाहितों को आशीर्वाद देते हुए कहा, विवाह दो आत्माओं और परिवारों का मिलन है। प्रेम, समर्पण और समझदारी से भरा वैवाहिक जीवन सच्चे सुख का आधार है। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि शासन की योजनाएँ जीवन के हर पड़ाव पर सहयोग करती हैं, जिनका लाभ उठाकर नवदंपत्ति उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं।परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ संपन्न इस समारोह में प्रशासन ने नवदंपत्तियों को विवाह सामग्री, उपहार और नगद सहायता प्रदान की। मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का माहौल रहा। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, एसडीएम श्री मूलचंद चोपडा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

डीए एवं एरियर्स की मांग को लेकर कर्मचारी संगठनों ने भरी हुंकार

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष करन सिंह अट ?रिया द्वारा प्रदेश के छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन एवं छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी महासंघ से संबद्ध घटक संगठनों के साथ-साथ अन्य समस्त कर्मचारी अधिकारी संगठनों की संयुक्त बैठक इंद्रावती भवन में 26 जून को आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला, मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपूत,संरक्षक तीरथ लाल सेन, स्वास्थय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष आलोक मिश्रा,संचालनालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जय कुमार साहू,कोषालय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ जितेंद्र सिंह ठाकुर ,लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष पी आर साहू,आजाक इंद्रावती भवन के संयोजक प्रेम सिंह कंवर,संचालनालयीन चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुरेश ढीदी, छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष बालकृष्ण साहू लघु वेतन चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष इमरत लाल केवट,छत्तीसगढ़ विद्यालय कर्मचारी संघ के जावेद मोहम्मद कुरैशी के अतिरिक्त सुनील उपाध्याय, लोकेश वर्मा, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, दिलीप बंजारे, लोकेश वर्मा,श्य ?म लाल साहू,सुनील भूमरकर आदि विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। *समस्त कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर से अपने उद्बोधन में छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा कर्मचारियों एवं अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को दिए जा रहे महंगाई भत्ते में दोहरे मापदंड के प्रति आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की कर्मचारियों को 53प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है जबकि अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को राज्य के इसी कोष से 55ब महंगाई भत्ता 1 जनवरी 2025 से दिया जा रहा है कर्मचारियों को पिछले दिए गए महंगाई भत्ता देय तिथि से न देकर एरियर्स की राशि का भुगतान नहीं करने से कर्मचारियों में भारी आक्रोश है जबकि महंगाई भत्ता एवं उसका एरियर्स मोदी की गारंटी में शामिल है कर्मचारी संगठनों ने कहा कि यदि महंगाई भत्ता एवं उसका एरियर्स शीघ्र प्रदान नहीं किया गया तो प्रदेश के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी लाम बंद होकर हड़ताल करेंगे। प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला ने प्रदेश के अधिकारी कर्मचारी संगठनों को आह्वान किया कि जिस प्रकार जुलाई 2023 में प्रदेश केअधिकारी और कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले 7 जुलाई 2023 को ऐतिहासिक हड़ताल किया जिसके परिणाम स्वरुप प्रदेश के कर्मचारियों को 9 प्रतिशत महंगाई भत्ता , 9 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता कुल एकमुश्त 18 प्रतिशत का इजाफा उनके वेतन में हुआ। वर्तमान सरकार के कर्मचारियों के प्रति रवैया को देखते हुए संयुक्त रूप से सरकार के समक्ष कामन मांगों पर चर्चा की जाए ।मंत्रालय कर्मचारी संघ एवं संचालनालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष एवं उनके पदाधिकारी संयुक्त रूप से प्रदेश के समस्त अधिकारी कर्मचारी संगठनों की संयुक्त बैठक आगामी सप्ताह में आयोजित करेंगे और उस बैठक में मांग पत्र एवं आंदोलन के स्वरूप की घोषणा की जाएगी।

अपोलो कैंसर सेंटर ने 'कैन विन' किया लॉन्च

कैंसर विजेताओं द्वारा अपने संघर्ष की कहानियां हैं

बिलासपुर (समय दर्शन)। कैंसर से बचे हुए लोगों को चिह्नित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम , अपोलो कैंसर केंद्र (एसीसी) ने आज 'कैन विन' के लॉन्च की घोषणा की, एक कैंसर समर्थन समूह जो हर किसी को अपने कैंसर की यात्रा में एक साथ लाता है। इस विश्वास में निहित है कि साझा शक्ति जीवन बदल सकती है, कैनविन, - एक ब्रांड, एक प्रकार के कार्यकर्ताओं, मनोविज्ञान, रोगियों, कैंसर विनर, देखभाल करने वाले, और स्वयंसेवकों को एक मंच प्रदान करता है और सिर्फ एक समूह से अधिक - यह अपनी बात रखने तकनीक सीखने के लिए एक सुरक्षित स्थान है। यह मंच हाल ही में डायग्नोज हुए कैंसर के मरीज या जिनका उपचार लगातार जारी है या वह अपने किसी। मित्र रिश्तेदारी परिवार के सदस्य की उन सभी के लिए एक संदेश है कि वह अकेले नहीं है।

कैन विन - एक ऐसा नाम जो रोगी व परिजनों की इच्छा शक्ति वह उसके ठीक होने की संभावनाओं जैसी दो शक्तिशाली विचारों का प्रतीक है कैन विन नामक कार्यक्रम की पहल को कैंसर विजेताओं के नेतृत्व में एक भावनात्मक कहानी कहने वाले सत्र के साथ शुरू किया गया था, जहां उनमें से प्रत्येक ने अपनी व्यक्तिगत कहानियों को साहस, ताकत और जीत की अपनी व्यक्तिगत अनुभव को साझा करने के लिए केंद्रित किया। इन सच्चे और प्रेरणादायक कथाओं ने दूसरों के लिए एक समान मार्ग से चलने के लिए आशा के एक किरण के रूप में कार्य किया।

आराधना एक ऐसा नाम जो सन 2012 में कैंसर डायग्नोज होने के बाद नकारात्मक सोच से ग्रसित हो चुकी थी, उनके पूर्णता सकारात्मक सोच में परिवर्तित होने की कथा अपने आप में प्रेरणादायक है। 2012 में सेकंड स्टेज का कैंसर डायग्नोज होने के बाद अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर संपर्क किया। डॉक्टर ने उनकी पीड़ा को समझा

और इन्हें साहस दिया कि वह पूर्णत: ठीक हो सकती हैं। साथ ही परिवार में उनके पति ने भी इन्हें पूर्ण मनोबल प्रदान किया। पूरे इलाज के दौरान इन्हें कमजोर नहीं होने दिया। आज आराधना जो कि कैंसर डायग्नोज होने पर पूरी तरह निराश हो चुकी थी। अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति व डॉक्टर के सहयोग एवं अपने परिवार के सहयोग से पूर्णता स्वस्थ होकर आज कैंसर के सभी मरीजों के लिए एक सफल काउंसलर बन चुकी है, जिन्हें आज कई चिकित्सक अपने मरीजों की काउंसलिंग के लिए आमंत्रित करते हैं। इन्होंने कैंसर के ट्रीटमेंट के दौरान तीन सबक लिए जिन में पहला सही व जानकार लोगों से ही इस बीमारी के बारे में सुन अन्यथा भ्रांतियां उत्पन्न हो सकती है। दूसरा सबक, लॉजिक ही नहीं मैजिक पर भी यकीन करें। तीसरा सबसे महत्वपूर्ण सबक, बीमारी पहले मन में होती है फिर शरीर में अर्थात आप अपनी इच्छा शक्ति के दम पर बड़ी से बड़ी बीमारी से भी लड़ सकते हैं और उस पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। इस इच्छा शक्ति का परिणाम यह है कि आज एक सफल काउंसलर है जो मरीज को इस बीमारी से लड़ने की हिम्मत देती है और हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहती है।

बिन्नी 2017 में जब पहली बार इन्हें गठन होने की शंका हुई, इन्होंने बिना किसी देरी के तत्काल डॉक्टर से संपर्क किया। सभी आवश्यक जांच तुरंत करवाई। इसका परिणाम जा रहा है कि उनके कैंसर अर्ली स्टेज पर ही डायग्नोज हो गया। उपचार के साथ-साथ यह नियमित योग करती रही साथ ही इन्होंने। अपनी विल पावर कभी काम नहीं होने दी। उन्होंने इस बीमारी को ईश्वर इच्छा के रूप में स्वीकार किया। और इनका मानना था कि ईश्वर ने मुझे यह बीमारी इसलिए दी कि मुझ में इस बीमारी से लड़ने की ताकत है। पूरे विश्वास के साथ। शिक्षकों की सलाह अनुसार अपना उपचार करते नहीं और आज स्वस्थ जीवन गुजर रही हैं।

मधुरिमा विशेष एक टीचर है। सन 2017 महीने ब्रेस्ट कैंसर डायग्नोज। पर यह बिना घबराए। पूरे विश्वास के साथ इन्होंने अपोलो कैंसर सेंटर बिलासपुर में अपना इलाज आरंभ करवाया और दृढ़ इच्छा शक्ति और नियमित उपचार के साथ कैंसर पर विजय पाई। इसके बाद कुछ समय सामान्य जीवन व्यतीत करने के बाद सन 2024 में इन्हें वोकल कार्ड में समस्या आने पर अपना चिकित्सक से संपर्क किया। एवं आवश्यक जांच के उपरांत इन्हें ज्ञात हुआ कि इन्हें पुन: कैंसर डायग्नोसिस हुआ है।दोबारा वही बीमारी होने पर भी मधुरिमा ने अपना साहस नहीं खोया और पूरे विश्वास के साथ अपना उपचार कर रही है एवं अपने दैनिक जीवनचार्य में सामान्य जीवन व्यतीत कर रही हैं।

डॉक्टर गुप्ता चिकित्सा अधीक्षक, अपोलो बिलासपुर एवं अपोलो कैंसर सेंटर बिलासपुर ने बताया कि अपोलो 'कैन विन' के साथ, हम एक ऐसे समुदाय बना रहे हैं जहां साहस साझा किया जाता है, आवाज सुनी जाती है, और सकारात्मक कहानियां दवा के लिए एक सपोर्ट बन जाती हैं। यह एक मंच है, जो सभी कैंसर रोगियों, देखभाल करने वालों, चिकित्सकों और बाईस्टैंडर्स के लिए यह खुला है, उन्होंने कहा, यह पहल केवल नैदानिक विशेषज्ञता, बल्कि भावनात्मक शक्ति और सहयोग तथा कैंसर देखभाल की दिशा में एक कदम है।

ट्रंक में सूटकेस, सूटकेस में बंद लाश का रायपुर पुलिस ने किया खुलासा

30 लाख के लिए वकील और उसकी पत्नी ने की क्लाइंट की हत्या, 4 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के डी.डी. नगर थाना क्षेत्र में हुई एक सनसनीखेज हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। वकील अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी शर्मा ने अपने ही क्लाइंट किशोर पैकरा की गला दबाकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने शव को सीमेंट डालकर ट्रॉली बैग में बंद किया और टिन की पेटी में भरकर सुनसान स्थान पर फेंक दिया था। इस मामले में कुल चार आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

हत्या के पीछे 30 लाख की रकम और बढ़ता दबाव

पुलिस के अनुसार, मृतक किशोर पैकरा ने अपनी संपत्ति संबंधी कानूनी लड़ाई में वकील अंकित उपाध्याय को नियुक्त किया था। इस दौरान वकील ने मृतक के मकान को तीस लाख रुपये में बेचकर वह रकम अपने निजी कार्यों में खर्च कर दी। मृतक जब लगातार पैसे की मांग करने लगा तो आरोपी और उसकी पत्नी ने उसकी हत्या की साजिश रची।

दिल्ली भागने की फिराक में थे आरोपी, फ्लाइट से पहले हुए गिरफ्तार

हत्या के बाद दोनों आरोपी रायपुर से दिल्ली भागने की फिराक में थे। पुलिस ने सटीक सूचना और तेजी से कार्रवाई करते हुए उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड होते ही गिरफ्तार कर लिया। हत्या में साथ देने वाले दो अन्य आरोपी सूर्यकांत यदु और विनय यदु को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

हत्या की योजना और क्रियान्वयन

किराये पर कमरा लेकर मृतक को झूठ बोलकर वहां बुलाया गया।

गला दबाकर और चाकू मारकर उसकी हत्या की गई।

शव को सूटकेस में बंद कर उस पर सीमेंट डाला गया और फिर टिन की पेटी में भरकर सुनसान स्थान पर फेंक दिया गया।

सबूत मिटाने के लिए कपड़े और हथियार फेंक दिए गए।

पुलिस ने जब्त की सामग्री

हत्या में प्रयुक्त अल्टो कार
2 दोपहिया वाहन
5 मोबाइल फोन
सीमेंट बैग, खून से सना तौलिया
ट्रॉली बैग व टिन की पेटी

गिरफ्तार आरोपी

अंकित उपाध्याय (वकील)
शिवानी शर्मा (पत्नी)
विनय यदु
सूर्यकांत यदु

पुलिस की तत्परता से खुला मामला

फॉरेंसिक टीम, सीसीटीवी विश्लेषण, साइबर ट्रेसिंग और मुखबिर तंत्र की मदद से रायपुर पुलिस की 5 टीमों ने यह जटिल मामला 48 घंटे में सुलझा लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह और आईजी अमरेश मिश्रा के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। सफलता के लिए टीम को नकद इनाम देने की घोषणा की गई है।

यह मामला रायपुर में पेशेवर धोखाधड़ी, लालच और साजिश की एक खौफनाक मिसाल बन गया है। पुलिस जांच अब इस बात पर केंद्रित है कि क्या आरोपी और लोगों को भी इसी तरह ठग चुके हैं।

मोदी राज में मीडिया, संविधान और संस्थाओं पर अघोषित आपातकाल : भूपेश

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 25 जून को 'आपातकाल विरोध दिवस' पर मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि बीते 11 वर्षों से देश एक अघोषित आपातकाल की गिरफ्त में है। उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया, न्यायपालिका, संवैधानिक संस्थाएं और शिक्षण संस्थान ङ्क सभी पर सत्ता का दबाव है और मोदी शासन में लोकतंत्र केवल नाम का रह गया है।

संविधान बदलने की मंशा, 'चार सौ पार' जनादेश का मकसद साफ– भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 'चार सौ पार' का नारा सिर्फसंविधान बदलने की मंशा से दिया था, लेकिन देश की जनता ने भाजपा को स्पष्ट रूप से नकार दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर के संविधान को छेड़ने की साजिश रची जा रही थी, लेकिन भारत की जनता ने संविधान के संरक्षण में विश्वास जताते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों को चुना।

हर तरफनियंत्रण और दमन ङ्क ये लोकतंत्र नहीं, तानाशाही है– भूपेश बघेल ने कहा कि संसद में अब सवाल उठाना, बहस करना या सरकार से जवाब मांगना तक सजा का कारण बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विधायकों की खरीद-फरोख्त, राज्यपाल के माध्यम से हस्तक्षेप, टैक्स और नियामक एजेंसियों के दुरुपयोग जैसे हथकंडों से विपक्षी सरकारों को गिरा रही है।

संविधान को चुपचाप तोड़ा जा रहा है– उन्होंने यह भी कहा कि ष्ठत्त की भूमिका निष्प्रभावी कर दी गई है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध हो गई है। ऋङ्खद्व को लगभग निष्क्रिय बना दिया गया है। श्वङ्करू की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन कोई जवाबदेही नहीं है।

मीडिया पर अभूतपूर्व नियंत्रण, भय और दमन– बघेल ने कहा कि मीडिया पर ऐसा दबाव कभी नहीं देखा गया, जहां न्यूज़ एजेंसियों को कर विभाग, ईडी और ष्टक्चढ्ढ के छापों से डराया जा रहा है। उन्होंने बीबीसी, दैनिक भास्कर, न्यूज़क्लिक, एनडीटीवी, द वायर और अन्य संस्थानों पर कार्रवाई को 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया।

भाजपा में जाओ, तो सब माफ– उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, जो नेता भाजपा में शामिल हो जाते हैं, वे ईडी-मुक्त और सीबीआई-मुक्त हो जाते हैं। लेकिन जो विपक्ष में हैं, उन्हें बंधक बनाकर डराने की कोशिश की जाती है।

विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा, सामाजिक सौहार्द पर हमला– भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार विरोधियों को 'अर्बन नक्सल' और 'खालिस्तानी' कहकर बदनाम कर रही है, और नफरत फैलाने वालों को सरकार में ऊंचे पदों से नवाजा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यक समुदायों में डर और असुरक्षा का माहौल है, जबकि सत्तारूढ़ दल नफरत फैलाने वालों को खुला संरक्षण दे रही है।

विश्वशांति के लिए जैन दादाबाड़ी में दादागुरुदेव की बड़ी पूजा

रायपुर। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में विश्वशांति के लिए दादागुरुदेव की बड़ी पूजा कर प्रार्थना की गई। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट , भैरव सोसायटी के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि विश्वभर में युद्ध हिंसा व परमाणु हथियारों का शोर है, आज प्रात: अमावस्या के अवसर पर जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी परिसर में एकत्र होकर सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं ने दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में भाग लिया व विश्वशांति, अहिंसा दया करुणा हेतु जाप किया। कोचर ने आगे कहा कि जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों ने अहिंसा परमो धर्म , करुणा , सभी जीवों के प्रति दया भाव से जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है । भगवान महावीर स्वामी ने जियो और जीने दो का संदेश विश्व को दिया जोकि वर्तमान में भी विश्वशांति के लिए प्रासंगिक है । विश्वपटल पर युद्ध , मानव का मानव के प्रति हिंसा के मद्देनजर अहिंसा करुणा दया व जियो और जीने दो के भावों के साथ दादागुरुदेव कि बड़ी पूजा में प्रार्थना की गई। जैन धर्म का चातुर्मास आगामी 9 जुलाई से आरम्भ हो रहा है । इस अवसर पर सकल जैन समाज के साधु साध्वियों द्वारा राजधानी रायपुर में विभिन्न 10 स्थानों में धर्म आराधना की व कराई जावेगी । जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में इस अवसर पर 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप का आयोजन किया जावेगा । इस हेतु ट्रस्ट समिति की बैठक 27 जून को रात्रि 9 बजे से महाविदेह आराधना केन्द्र में रखी गई है । जिसमें इक्तिसा जाप की रूपरेखा तय की जावेगी । चातुर्मास के अवसर पर अन्य कार्यक्रमों व पर्युषण पर्व आराधना होगी। अमावस्या पर दादागुरुदेव की पूजा में सर्वप्रथम चारों दादागुरुदेव की वेदी प्रतिमाओं के सम्मुख अष्ट प्रकारी पूजा का विधान हुआ । अध्यक्ष सन्तोष बैद , वर्धमान चोपड़ा , दीप्ती बैद , विवेक बैद , निर्मल पारख मंजू कोठारी द्वारा बड़ी पूजा का विधान किया गया । ट्रस्टी नीलेश गोलछा ने बताया कि कुशल नाम है कितना प्यारा , जन जन की आंखों का तारा , जब कोई नही आता मेरे दादा आते हैं , मेरे दु:ख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं , भजनों से वातावरण गुरुभक्ति में सराबोर हो गया ।

मनोहर गौशाला में विकसित हो रहा जंगल, स्वच्छंद विचरण करेंगे गौवंश

रायपुर। खैरागढ़ स्थित मनोहर गौशाला आज देशभर की उन मिसालों में शामिल हो रहा है, जहां गायों के लिए प्राकृतिक वातावरण में संरक्षण और संवर्धन को प्राथमिकता दी जा रही है। यहां 4 हजार से अधिक पेड़ों की हरियाली विकसित की गई है। इसे द्वापर युग की तर्ज पर प्राकृतिक गौशाला बनाया जा रहा है।

मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने बताया कि गौशाला परिसर में निर्माणाधीन चंद्रमणी गौ चिकित्सालय एवं रिसर्च सेंटर के पास 700 अशोक के पौधे रोपे जाएंगे। इस मानसून में इन पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके साथ ही साढ़े 4 हजार से अधिक पौधों के जंगल से गौशाला सुशोभित हो जाएगा। ये न केवल पर्यावरणीय संतुलन को बनाएंगे, बल्कि पशुओं को छांव व शांति का वातावरण भी प्रदान करेंगे। यह पहल अपने आप में एक हरित क्रांति का रूप ले रही है। बता दें कि गौशाला में तालाब का निर्माण भी पूर्ण हो चुका है, ताकि गौवंशों के लिए जल की समुचित व्यवस्था हो सके। साथ ही पशु चिकित्सालय का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। आने वाले दो सालों में चिकित्सालय भी बनकर तैयार हो जाएगा।

आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में भी अग्रसर– मनोहर गौशाला में गोमूत्र और गोबर से जैविक खाद व प्राकृतिक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का निर्माण भी किया जा रहा है, जो रासायनिक उर्वरकों का विकल्प बनकर आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में प्रेरणादायक कदम है। इस अभिनव प्रयोग पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के वैज्ञानिकों की टीम फील्ड ट्रायल और रिसर्च कर रही है। इस नवाचार का पेटेंट भी हो चुका है। इससे यह पहल न केवल क्षेत्रीय, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त कर रही है। डॉ. जैन ने बताया कि मनोहर गौशाला आज एक ऐसा केंद्र बनता जा रहा है, जहां आत्मनिर्भर गौशाला के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव की संकल्पना भी पूरी हो रही है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार को राजधानी के एकात्म परिसर में प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला

आपातकाल कांग्रेस की तानाशाही सोच का प्रतीक, जख्म आज भी जिंदा: अरुण साव

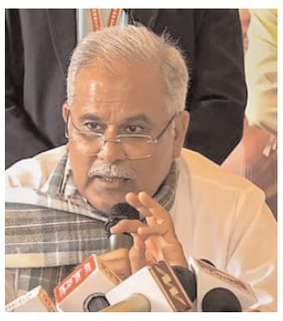

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार को राजधानी के एकात्म परिसर में प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था, जिसे कांग्रेस पार्टी ने सत्ता बचाने के लिए देश पर थोपा। उन्होंने कहा कि आज जो कांग्रेस संविधान बचाने की बातें करती है, वही पार्टी उस संविधान को कुचलने की दोषी है।

लोकतंत्र की हत्या का आरोप– साव ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सिर्फअपनी कुर्सी बचाने के लिए 'आंतरिक अशांति' का झूठा हवाला देकर आपातकाल लागू किया। न कोई युद्ध था, न विद्रोह ङ्क फिर भी अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे एक न्यायिक फैसले ने इंदिरा गांधी को चुनाव में दोषी ठहराया, और उसी बौखलाहट में उन्होंने प्रेस की आजादी, नागरिक अधिकारों और न्यायपालिका की गरिमा तक छीन ली।

तानाशाही अब भी जिंदा है– अरुण साव ने कहा, आज कांग्रेस के चेहरे भले ही बदल गए हों, लेकिन सत्ता की भूख और लोकतंत्र को कुचलने की तानाशाही मानसिकता अब भी जस की तस है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राहुल गांधी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में अध्यादेश फाड़ना इस मानसिकता का आधुनिक चेहरा है।

आपातकाल के जख्म और कांग्रेस की चुप्पी– उपमुख्यमंत्री ने आपातकाल के दौरान की गई ज्यादतियों की विस्तृत जानकारी दी — लाखों लोगों की गिरफ्तारी, प्रेस सेंसरशिप, जबरन नसबंदी, गरीबों के घरों को तुर्कमान गेट पर ध्वस्त करना, और विपक्ष के नेताओं को जेलों में बंद करना।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी इन घटनाओं के लिए माफी नहीं मांगी, न ही कभी शर्मिंदगी जताई। यह केवल अतीत नहीं है, यह कांग्रेस की सोच की स्थायी पहचान है, साव ने कहा।

संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाएंगे 25 जून– अरुण साव ने बताया कि भाजपा 25 जून को पूरे प्रदेश में संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रही है, ताकि नई पीढ़ी को भी इस काले अध्याय के बारे में जानकारी दी जा सके।

उन्होंने यह भी बताया कि भूपेश बघेल सरकार ने पूर्ववर्ती भाजपा शासन द्वारा शुरू की गई लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि योजना को बंद कर दिया था, जिसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुन: चालू किया है।

पत्रकारों की मौजूदगी में आरोपों की झड़ी– इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, प्रवक्ता उमेश घोरमोड़े, अनुराग अग्रवाल और निशिकांत पांडे भी उपस्थित रहे। अरुण साव ने निष्कर्ष में कहा, कांग्रेस का लोकतंत्र प्रेम महज दिखावा है, असल में वह सिर्फअपनी सत्ता की चिंता करती है। आज जरूरत है कि देश संविधान और लोकतंत्र के असली दुश्मनों को पहचाने।

संक्षिप्त समाचार

दिल रहेगा दुरुस्त, जब रोज़ की डाइट में होंगे ये 4 सुपरफूड्स

रायपुर। लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे दिल की बीमारी और हाई ब्लड प्रेशर से बचाव के लिए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बेहद ज़रूरी है। इसके लिए संतुलित खानपान अहम भूमिका निभाता है। रोज़मर्रा की डाइट में बादाम, ओट्स, साबुत अनाज, फल और सब्ज़ियां शामिल कर कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखा जा सकता है। इसके साथ ही नियमित व्यायाम भी ज़रूरी है। इस लेख में जानिए चार ऐसे खास फूड्स, जिन्हें डाइट में शामिल कर आप कोलेस्ट्रॉल को स्वस्थ स्तर पर बनाए रख सकते हैं। बादाम : बादाम पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और ज़िंक समेत 15 ज़रूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। रोज़ाना बादाम खाने से टोटल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, ये शरीर में सूजन को घटाते हैं, जो दिल की बीमारी का बड़ा कारण बन सकती है। एक मुट्ठी बादाम न केवल एचडीएल यानी गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, बल्कि पेट की चर्बी और कमर की चौड़ाई घटाने में भी मददगार है। आप बादाम को सलाद, मिठाइयों या स्मूदी में मिलाकर डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

साबुत अनाज और ओट्स : साबुत अनाज को अपनी डाइट में शामिल करने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, दिल की बीमारियों का खतरा घटता है, वजन नियंत्रण में रहता है और बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम होता है। ओट्स खासतौर पर कोलेस्ट्रॉल घटाने और दिल को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार हैं। इन्हें डाइट में शामिल करने के आसान तरीके हैं, नाश्ते में ओटमील या होल ग्रेन सीरियल लें, बेकिंग में होल ग्रेन आटे का इस्तेमाल करें, उबले हुए साबुत अनाज को सलाद या सूप में मिलाएं, स्मूदी में ओट्स डालें और सैंडविच के लिए होल ग्रेन ब्रेड चुनें।

डीएस ग्रुप की पल्स कैंडी बनी 750 करोड़ की उपभोक्ता ब्रांड

रायपुर। देश के प्रमुख एफएमसीजी समूहों में से एक धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने अपनी लोकप्रिय ब्रांड पल्स को लेकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है वित्त वर्ष 2024-25 में पल्स कैंडी ने उपभोक्ता मूल्य पर 750 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की है यानी एक साल में 750 करोड़ पल्स कैंडीज़ बिकीं जिससे यह भारत की सबसे ज़्यादा वितरित हार्ड बॉयल्ड कैंडी बन गई है। यह उपलब्धि पिछले 9 वर्षों से पल्स की मज़बूत मार्केट लीडरशिप और उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्थायी लोकप्रियता को दर्शाती है। डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार ने कहा पल्स को हम एक अग्रणी भारतीय पारंपरिक मिठाई ब्रांड के रूप में विकसित कर, इसे बहु-फॉर्मेट और बहु-उपयोग अवसरों वाला उत्पाद बनाना चाहते हैं। हम इसके लिए संबंधित उत्पाद श्रेणियों में विस्तार, नए फॉर्मेट्स की खोज और क्षेत्रीय स्वादों के अन्वेषण पर ध्यान देंगे। ब्रांड बिल्डिंग, उपभोक्ता जुड़ाव और गहरी बाज़ार पैठ हमारी प्राथमिकताएं हैं। हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में विस्तार को लेकर आक्रामक हैं। भारत में हमारी वितरण श्रृंखला 35 लाख से अधिक दुकानों तक पहुँच चुकी है। श्री कुमार ने आगे कहा, फ्रूटी और खट्टे स्वादों के संगम से बनी पल्स, खासकर कच्चे आम के मसालेदार कोर के साथ, एक अनोखा स्वाद अनुभव देती है। यह भारतीय स्वाद पसंदों के अनुरूप था और उस समय प्रचलित वेस्टर्न-स्टाइल कैंडीज़ से अलग था। पल्स का 1 का मूल्य निर्धारण एक साहसिक कदम था, जब 86प्रतिशत हार्ड बॉयल्ड मार्केट 50 पैसे के मूल्य बिंदु पर था। इससे न केवल मूल्य में बल्कि मूल्य अनुभव में भी बढ़ोतरी हुई, जो उपभोक्ताओं को भाया।

भारत में स्केलेबल हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा समाधान के विकास के लिए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ओहमियम के साथ समझौता किया

दिल्ली: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बेंगलुरु स्थित ओहमियम इंटरनेशनल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर दस्तखत किये। इसके जरिये कंपनी ने कार्बन तटस्थता और स्वच्छ ऊर्जा नवाचार के प्रति अपनी कटिबद्धता को मजबूत किया है जो भारत में ग्रीन हाइड्रोजन -आधारित एकीकृत ऊर्जा समाधानों के सह-विकास के लिए है। इसके तहत एक अग्रणी पीईएम, ओहमियम इंटरनेशनल के साथ हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी प्रदाता के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है। इस रणनीतिक करार में टोयोटा की फ्यूल सेल टेक्नालॉजी और भविष्य के स्वच्छ ईंधन के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। यह गतिशील और स्थिर अनुप्रयोगों में एक मजबूत हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के अथक प्रयासों पर प्रकाश डालता है । भारत ने 2047 तक ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र होने और 2070 तक शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, सभी आर्थिक क्षेत्रों में अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना देश में ऊर्जा परिवर्तन का केंद्र बिंदु है। ग्रीन हाइड्रोजन इस बदलाव का समर्थन करने के लिए एक आशाजनक विकल्प के रूप में उभर रहा है। यह लंबी अवधि तक अक्षय ऊर्जा भंडारण, उद्योग में जीवाश्म ईंधन के प्रतिस्थापन, खासकर उन क्षेत्रों के लिए जो उपयोग कम करने के लिहाज से मुश्किल हैं, स्वच्छ परिवहन और विकेन्द्रीकृत बिजली उत्पादन की क्षमता प्रदान करता है। इस नजरिये के अनुरूप, भारत सरकार ने 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया, जिसका उद्देश्य स्थानीय निवेश और आत्मनिर्भरता के लिए अनुसंधान एवं विकास द्वारा समर्थित एक मजबूत हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। इस नजरिये से तालमेल करते हुए टीकेएम अपने वैश्विक, टोयोटा की पर्यावरण चुनौती 2050 द्वारा निर्देशित स्वच्छ ऊर्जा प्रयासों को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है। यह समझौता ज्ञापन भारत के ऊर्जा परिवर्तन रोडमैप के समर्थन में हाइड्रोजन की पूरी क्षमता को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

गतिशीलता से परे: हरित ऊर्जा-संचालित नवाचार को दक्षता के साथ एकीकृत करना- इस सहयोग का उद्देश्य दोनों पक्षों की पूरक क्षमताओं का लाभ उठाना है - एक पीईएम हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी कंपनी, ओहमियम ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए मॉड्यूलर, किफायती और स्केलेबल (जरूरत के अनुसार बड़ा या छोटा किये जाने योग्य) पीईएम इलेक्ट्रोलाइज़र में विशेषज्ञता रखती है और ईंधन-सेल प्रौद्योगिकी में अग्रणी, टोयोटा विभिन्न हाइड्रोजन अनुप्रयोगों में स्थिरता के लिये प्रयास करती है। दोनों पक्ष मिलकर माइक्रोग्रिड जैसे एकीकृत, हरित हाइड्रोजन चालित ऊर्जा समाधानों की व्यवहार्यता का आकलन करेंगे। इनका इस्तेमाल डेटा सेंटर, पर्यावरणीय प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील दूर-दराज के स्थानों आदि जैसे विविध उपयोग में किया जा सकता है।

संपादकीय

आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती

यूरोप के दौरे पर गए वित्त मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत को आतंकवादी हमलों के जरिए उकसाया गया तो हम पाकिस्तान के भीतर जाकर हमला करने में हिचकि चाएंगे नहीं। यूरोपीय संघ के उच्चस्तरीय व्यापार संवादों में भाग लेते हुए उन्होंने ब्रसेल्स में एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें संदेश है कि अप्रैल जैसी बर्बर हरकत को जारी रखा गया तो जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा जो आतंकवादी संगठनों व आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी। जयशंकर ने कहा, हमें परवाह नहीं कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी दुश्मन मुल्क में आतंकियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और उनके भारत में घुसपैठ करने पर कड़ी कार्रवाई की बात भी दोहराई। उन्होंने भारतीय एयर स्ट्राइक से हुई पाकिस्तान को क्षति के आरोपों का भी अपने अंदाज में करारा जवाब दिया। कहा कि सबूत तो वही एयर फील्ड हैं, जो अब काम नहीं कर रहे। पाकिस्तान की हवाई पट्टियों को नुकसान को गूगल सैटेलाइट से देखने की सलाह भी दे डाली। बेशक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सारी दुनिया ने देखा जब 6-7 मई की दरमियानी रात भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन देश के भीतर घुस कर पच्चीस मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इनमें से पांच तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही थे। जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए विदेशी मीडिया को साफ संकेत दिया कि पाकिस्तानी वायु सेना को भारतीय लड़ाकू विमानों व मिसाइलों ने जबरदस्त क्षति पहुंचाई। अल्पभाषी जयशंकर स्पष्ट और सटीक बात करने के मामले में अपने समकालीन राजनेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। जैसा कि उन्होंने विदेशी मीडिया के समक्ष न सिर्फ भारत का रुख स्पष्ट किया बल्कि उन संदेहों को भी साफ किया जो पाकिस्तान जानबूझकर फैला रहा है। दोनों मुल्कों के दरम्यान हुए युद्ध विराम व तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों के बावजूद दुनिया की महाशक्तियों के समक्ष भारत सरकार ने नये प्रतिमान गढ़ने का अपना इरादा डंके की चोट पर प्रदर्शित ही नहीं किया बल्कि देश की सुरक्षा और अपने नागरिकों की हत्या के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने में कोई कोताही भी नहीं कर रहा है। आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती है जिसके प्रति कोई भी सहिष्णुता दर्शाने को राजी नहीं है। पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी इस मुद्दे पर बगले झांकते नजर आते हैं।

माँ की शक्ति, बच्चों का भविष्य : योग से बदलता परिदृश्य

मतीअन्नपूर्णा देवी

चाहे वह बोर्डरूम हो या युद्धभूमि —मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान कर उसे विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, और योग इसकी कुंजी है। योग की जन्मस्थलीभारत में आज भी इस प्राचीन जीवनशैली को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिएएक दार्शनिक पद्धति के रूप में स्वीकारकियाजाता है।भगवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 50) में कहा गया है-योग: कर्मसु कौशलम्,अर्थात् 'योग कर्मों में कौशल है।' भगवान श्रीकृष्ण कास्पष्टसंदेश है कि-सच्चायोग शारीरिक आसन या ध्यान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात में परिलक्षित होता है कि हम अपने दैनिक कर्तव्यों को कितनी कुशलता और ध्यानपूर्वकनिभाते हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि योग में परिवर्तनकारी क्षमता है, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और बच्चों के पोषण में, जो हमारे समाज की नींव हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने वैश्विक मंच पर एक कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पहचान प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में 21 जून कोअंतरराष्ट्रीय योग दिवसघोषित कियागया, जो भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता सिद्धकरता है। इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम,एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योगहैद्य जोकि योग की सर्वसमावेशी और सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करती है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि योग किसी कॉपीराइट, पेटेंट या रॉयल्टी से मुक्त है। यह लचीला है — आप इसे अकेले,समूह में, गुरु से या स्वयं भी सीख सकते हैं।जैसे-जैसे हमारा राष्ट्रविकसितभारतबननेकी दिशा में अग्रसर हो रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए। भारत की कुल आबादी में महिलाओं और बच्चों की संख्या लगभग दो-तिहाई है, और वे स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। अत: उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सबका कर्तव्य है, और योग की इसमें महत्वपूर्णभूमिका है। योग महिलाओं के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों दृष्टिसे अनेक लाभ प्रदान करता है। यह हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाता है, मानसिक तनाव को कम करता है, और मांसपेशियों एवंहड्डियों को मजबूत बनाताहै। विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं की विशिष्ट शारीरिक आवश्यकताओं के अनुसार योग एक समग्र और प्रभावी समाधान प्रदान करता है। योग को अपनाकर महिलाएँगर्भावस्था से पूर्व औरबाद केपरिवर्तनशीलसमय की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करनेमेंसक्षमबनतीहैं । प्रसवपूर्व योग, अपने विशेष आसनों और ध्यान तकनीकों के साथ, गर्भावस्था की परेशानियों को कम करता है, दर्द प्रबंधन में सहायता करता है, और ऊर्जा को बढ़ाता है। यह गर्भवती माताओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रसव के लिए तैयार करता है। प्रसवोत्तर योग, स्तनपान कराने वाली माताओं को उनकी रिकवरी, भावनात्मकसहायता, स्तनपान को बढ़ावा देने और माँ-बच्चे के रिश्ते को मजबूत करने में मदद करता है। महिलाओं में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए, भारत में 25 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का एक सशक्त नेटवर्क है।

चार राज्यों के 5 विधानसभा सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव के मिले परिणामों के सियासी मायने

कमलेश पांडे

बिहार विधान सभा चुनावों से ठीक पहले देश के चार प्रमुख राज्यों- पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल व केरल के 5 सीटों पर हुए उपचुनाव के आए परिणामों में जहां आप व टीएमसी को खुशी मिली है, वहीं कांग्रेस-भाजपा को सुकून के साथ साथ रणनीतिक झटका भी लगा है, लेकिन माकपा को करारी मात मिली है। उपचुनाव परिणाम इस बात की चुगली करते हैं कि जहां आप को उम्मीदों के विपरीत पंजाब और गुजरात में एक-एक सीट पर जबर्दस्त पुन: वापसी जीत मिली है, वहीं केरल में कांग्रेस को एक सीट नई मिलने से वहां उसकी स्थिति मजबूत हुई है।

इधर, पश्चिम बंगाल में टीएमसी को भी एक जीती हुई सीट पुन: मिलने से जहां उसका सियासी दबदबा बरकरार है, वहीं गुजरात में बीजेपी को महज एक सीट पर जीत मिली, जो उसकी जीती हुई सीट है। लेकिन केंद्र व राज्य में भाजपा की सत्ता होने के बावजूद वह यहां की दूसरी सीट आप से झटक नहीं सकी, जिससे उसका कब्जा बरकरार रहा है। इससे साफ है कि गुजरात में कांग्रेस की जगह आप भी भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन सकती है।

देखा जाए तो केरल के नीलांबुर सीट को छोड़कर अन्य तीन राज्यों में कोई भी पार्टी एक-दूसरे से सीट नहीं छीन सकी है। कहने का तातपर्य यह कि जिसका पहले विधायक था, उसी के प्रत्याशी जीते हैं। गौरतलब है कि इन सभी राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे। पंजाब के लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने तमाम समीकरणों को दरकिनार करते हुए 10,637 वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं, केरल में कांग्रेस ने लेफ्ट से नीलांबुर सीट छीन ली, जो उसके बढ़ते वर्चस्व का तकाजा है।

वहीं, पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट से तृणमूल कांग्रेस की अलिफा अहमद ने कब्जा किया है। वहीं, बीजेपी के खाते में गुजरात की कडी सीट आई। जहां से पार्टी के उम्मीदवार राजेंद्र कुमार चावड़ा उर्फराजूभाई जीत गए। हालांकि, सूबाई सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा राज्य की दूसरी सीट विसावदर को नहीं हथिया पाई। क्योंकि यहां पर आप के गोपाल इटालिया ने कब्जा किया। इसप्रकार इस उपचुनाव में जहां आप का स्कोर दो रहा, वहीं बीजेपी, कांग्रेस और टीएमसी का स्कोर एक-एक रहा। यह आप के लिए सुकून की बात है, जिसका सियासी ग्राफदिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद तेजी से गिरता जा रहा है।

वहीं, केरल में कांग्रेस की उम्मीद बढ़ने से सीपीएम को झटका लगा है। यह ठीक है कि कांग्रेस पंजाब और गुजरात के एक-एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही, जबकि बीजेपी पश्चिम बंगाल और गुजरात की विसावदर में दूसरे स्थान पर रही। वहीं, केरल में नीलांबुर सीट गंवाने वाली सीपीएम भी दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। लिहाजा इस उपचुनाव के नतीजों ने जहां कांग्रेस को गुजरात में झटका दिया, वहीं केरल और पंजाब में कुछ उम्मीद लेकर आई है। बता दें कि केरल के नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने सीपीएम के एम स्वराज को लगभग 10,000 वोटों से हराया। यह क्षेत्र उसी वायनाड लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से प्रियंका गांधी सांसद हैं। लिहाजा उनके लिए भी यह सुकून की बात है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने इस उपचुनाव को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नौ साल के शासन के खिलाफ जनादेश के रूप में पेश किया था। चूंकि साल 2026 में केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यह रिजल्ट सीएम पिनाराई विजयन के लिए खतरे की घंटी की तरह है।

आपको पता होगा कि अगले साल पश्चिम बंगाल, गुजरात, केरल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होंगे। लिहाजा इससे पहले हुए इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने राहत की सांस ली है। क्योंकि आप ने पंजाब और गुजरात में पिछले चुनाव में जीती गई दोनों सीटों पर कब्जा बरकरार रखने में कामयाबी पाई है। जबकि उपचुनाव से पहले लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट को विपक्ष ने आप के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। लेकिन कड़े मुकाबले में आप के संजीव अरोड़ा कांग्रेस के भारतभूषण आशु को हराया। हालांकि आप की इस जीत में बीजेपी का योगदान रहा, जिसके उम्मीदवार जीवन गुप्ता को 20323 वोट मिले।

वहीं, इस जीत के बाद अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने का रास्ता साफ हो गया है, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से गायब थे। हालांकि उन्होंने घोषणा की है कि वो राज्यसभा नहीं जाएंगे। इसलिए समझा जा रहा है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को वह राज्यसभा भेज सकते हैं। जैसा कि केजरीवाल ने कहा है कि इस बात का अंतिम फैसला पीएसी ही करेगी।

वहीं, पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट तृणमूल कांग्रेस के खाते में गई है, जहां पर बीजेपी के आशीष घोष टीएमसी कैंडिडेट अलीफा अहमद से करीब 50 हजार वोटों से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस ने मुस्लिम कैंडिडेट कबीलुद्दीन शेख को उतारा था, लेकिन उन्हें 28251 वोट मिले और वह तीसरे पायदान पर रहे। इससे साफ है कि इस चुनाव में भी मुस्लिम वोटरों ने टीएमसी को लिए वोट किया। लिहाजा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस रिजल्ट को वोटिंग पैटर्न का ट्रेलर माना जा रहा है। जानकार बताते हैं कि यदि यह पैटर्न दोहराया गया तो मुस्लिम वोट टीएमसी के खाते में रहेगी और चुनाव में उसका मुख्य मुकाबला बीजेपी से होगा। इसप्रकार से बंगाल में कमजोर हो रही कांग्रेस के लिए यह परिणाम खतरे की घंटी है।

वहीं, गुजरात में बीजेपी ने एक सीट जीती, जबकि दूसरे पर दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। यहां आप विधायक गोपाल इटालिया की जीत से बीजेपी की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि वह राज्य में पार्टी के प्रभारी हैं। यह जीत आम आदमी पार्टी के कैडर का हौसला भी बुलंद कर सकती है। इससे साफ है कि गुजरात में नुकसान कांग्रेस को हुआ है, जहां राहुल गांधी नए सिरे से पार्टी को संवारने में जुटे हैं। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ कडी विधानसभा सीट पर मुकाबले में आए, लेकिन 39452 वोटों के भारी अंतर से हार गए। समझा जाता है कि गुटबाजी और नेतृत्व की कमी से जूझ रही कांग्रेस 2026 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी को राहत दे सकती है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में विसावदर की सीट आप विधायक भूपत भयानी के इस्तीफे से खाली हुई थी, उस पर गोपाल इटालिया ने जीत हासिल की। इस जीत से आप ने साबित कर दिया कि वह गुजरात में कांग्रेस से ज्यादा बेहतर विपक्ष है।

गुजरात में आप के दांव से भाजपा सियासी सांसत में - गुजरात की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने बीजेपी के उम्मीदवार किरीट पटेल को बड़े अंतर से हराया। चूंकि 2022 के चुनावों में आप ने यह सीट जीती थी। ऐसे में आप के सामने इस सीट को जहां बचाने की चुनौती थी, तो वहीं दिल्ली हार जाने के बाद प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई थी। इससे साफ हो गया कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी ने अच्छा कमबैक किया है।

खास बात यह है कि आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने कुछ राउंड को छोड़कर पूरे 21 राउंड की मतगणना में ज्यादातर समय बढ़त बनाए रखी। इटालिया ने बीजेपी के कैंडिडेट किरीट पटेल को 17,581 वोटों से शिकस्त दी। स्पष्ट है कि बीजेपी के गढ़ गुजरात में आप की जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि आम आदमी पार्टी में दिल्ली की हार के बाद जबरदस्त निराशा थी।वैसे भी उपचुनावों में सत्तारूढ़ दल का पलड़ा भारी माना जाता है, लेकिन आप ने पुख्ता व्यूहरचना से विसावदर में बीजेपी को कमल खिलाने से रोक दिया। जबकि बीजेपी इस सीट पर 2007 से इस सीट पर पुन: जीत के लिए तरस रही है। इस बार के चुनाव में कुल 16 कैंडिडेट मैदान में थे। जिसमें गोपाल इटालिया आप 75,906 वोट पाकर जीत गए, जबकि किरीट पटेल बीजेपी 58325 वोट पाकर दूसरे स्थान पर और नितिन रणपारिया कांग्रेस 5491 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे। राजनीतिक टिप्पणीकार बताते हैं कि आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पंजाब वाल दांव खेला था। चूंकि दिल्ली चुनावों में हार के बाद आप ने विसावदर सीट पर चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही कैंडिडेट का ऐलान कर दिया था। जबकि बीजेपी में यहां कैंडिडेट को लेकर आखिर तक जद्दोजहद जारी रही। इससे आप कैंडिडेट को प्रचार का पूरा मौका मिला और परिणाम भी उनके पक्ष में आया। वहीं, गुजरात की इस सीट को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने बड़े चेहरे को मैदान में उतारा। पार्टी के प्रदेश प्रभारी गोपाल इटालिया इस क्षेत्र के निवासी नहीं होने के बाद भी पूरी विधानसभा में दो से तीन भ्रमण करके लोगों के बीच अपनी गहरी पैठ बना ली। ऐसे में उन्होंने लोगों को खुद से जोड़ लिया। जबकि बीजेपी सत्ता में होने के बाद भी अंत तक चुनाव प्रचार में पिछड़ी रही। यही वजह है कि गोपाल इटालिया के सामने किरीट पटेल हल्के साबित हुए।

आप के रणनीतिकारों ने बताया कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों में लोगों ने आप पर भरोसा किया था, लेकिन भूपत भायाणी के बीजेपी में जाने से आप के दावे को झटका लगा था। इसलिए गोपाल इटालिया के नामांकन में पहुंचे अरविंद केजरीवाल को इसका एहसास था, लिहाजा उन्होंने सार्वजनिक तौर पर ऐलान कर दिया कि अगर बीजेपी गोपाल इटालिया को खरीद लेगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

चुनाव विश्लेषक के मुताबिक, विसावदर में जब पिछली बार आप जीती थी तो गोपाल इटालिया प्रदेश प्रमुख थे। वह उस चुनाव में सूरत की कतारगाम से लड़े थे, लेकिन इस बार गोपाल इटालिया ने बतौर कैंडिडेट विसावदर पर फोकस किया। बतौर कैंडिडेट जबरदस्त होमवर्क किया और वे तमाम मुद्दे उठाए, जिन पर बीजेपी को घेरा जा सकता था।

सियासी लोग बताते हैं कि पत्रकारिता से राजनीति में आए इसुदान गढ़वी इस चुनाव में पूरी तरह से प्रदेश प्रमुख की भूमिका में रहे। सौराष्ट्र से आने वाले इसुदान गढ़वी ने विसावदर में गोपाल इटालिया को उतारने से पहले वहां सर्वे कराया और पार्टी कार्यकर्ताओं का रुख जाना। इसके बाद उन्होंने उनकी इच्छा के अनुसार फैसला लिया। गढ़वी यह कम्युनिकेट करने में सफल रहे कि लड़ाई आप और बीजेपी की है। यही वजह है कि कांग्रेस कैंडिडेट की जमानत जब्त हो गई।

मानसिक शांति को प्रभावित करती सोशियल डंपिंग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दरअसल आज अपनी समस्याओं का बोझ दूसरे पर लादने का दौर चल निकला है। खासतौर से सोशियल मीडिया का अधिकतम उपयोग आज इसी काम में होने लगा है। डिजिटलीय भाषा में कहो जाएं तो यह दौर इमोशनल डंपिंग का चल निकला है। कहने को तो यह कहा जाता है कि यदि आप किसी परेशानी में हो तो मन को हल्का करने के लिए अपनी समस्या को किसी संगी साथी से साझा करलें, इससे दो लाभ है एक तो तनाव से तात्कालीक मुक्ति मिल जाती है दूसरी और हो सकता है कि सामने वाला कोई सकारात्मक हल निकाल दें। पर कहा यह भी जाता है कि अपना दुख दर्द उसी से साझा करें जो आपके प्रति गंभीर हो। आपके दुख दर्द को सुनकर सहानुभूति के स्थान पर आपको मजाक का कारण तो नहीं बना दे। इमोशनल डंपिंग इससे थोड़ी अलग स्थिति है और आज यह बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रही है। होने यह लगा है कि अपने मन मस्तिष्क का बोझ हम आसानी से दूसरे पर ड़ाल देते हैं। यह भी नहीं सोचा जाता है कि जिससे आप साझा कर रहे हैं वह इस स्थिति में है भी नहीं कि आपकी समस्या के प्रति कुछ कर सके। हो तो यह रहा है कि हम हमारे किस्से, दुख, तकलीफ या अन्य अच्छे बुरे समाचार मोबाइल, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, शार्टस या इसी तरह के किसी अन्य माध्यम से दूसरे पर थोप देते हैं और जाने-अनजाने में दूसरा व्यक्ति इमोशनल डंपिंग का शिकार हो जाता है। आज हालात तेजी से गदलते जा रहे हैं। मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं। हांलाकि हमारे यहां माना जाता रहा है कि कहने से दुख घटता है पर यह भी कहा जाता है कि अपनी दुख तकलीफ उसे सुनाओं जो सुन सके। आज का दौर लगभग उलटा होता जा रहा है हम हमारी दुख तकलीफ या हमारी बात किसी पर थोपने के लिए उसकी और विभिन्न माध्यमों से धकेल देते हैं और अब समस्या सामने वाले की हो जाती है। दूसरे की मनोस्थिति व परिस्थितियों को समझने की कोशिश ही नहीं होती। यह हालात ज्यादा अच्छे नहीं कहे जा सकते और इसके नकारात्मक परिणाम अधिक आने लगे हैं। इमोशनल डंपिंग में दरअसल जो श्रोता है वह प्रभावित होता है।

मनोविज्ञानी डॉ. रैडल टर्नर का मानना है कि इमोशनल डंपिंग आज समाज को नकारात्मक दृष्टि से प्रभावित कर रही है। आज संप्रेषण या संवाद के विभिन्न माध्यमों से हम अपनी भड़ास निकाल लेते हैं और सामने वाले की मनोस्थिति को समझने का प्रयास ही नहीं करते। अगला व्यक्ति इस समय किन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके पास आपकी भड़ास सुनने का समय भी है या नहीं, या आपकी भड़ास का निदान कर सकता है या नहीं आपकी समस्या से जूझने की क्षमता भी है या नहीं। यह अपने आपमें एक समस्या हो जाती है। इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हावी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो चार हो रहे हैं। दरअसल सामने वाले व्यक्ति को हम आउटलेट समझ कर उसके साथ व्यवहार करते हैं। कहीं वह अपने आपको अपराधी जैसा समझने लगता है। एक तरह से सामने वाला व्यक्ति आब्जेक्ट के रुप में मानने लगते हैं। उसकी परिस्थितियों और वह आपकी बात से साझा होना भी चाहता है या नहीं उससे इमोशनल डंपिंग करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता। यह नए जमाने की नई तरह की समस्या बनती जा रही है। सोशियल मीडिया पर जब इस तरह की चीजें साझा की जाती है तो सामने वाले के साथ आपका भावनात्मक संबंध भी नहीं होता, ऐसे में सामने वाला थोड़ा संवेदनशील है तो एक तरह के तनाव से गुलरने लगता है। सोचता है ऐसा कैसे हो गया। क्या कारण रहे। या इसका समाधान तो आसानी से हो सकता है या अन्य किसी तरह से सोच सकता है। पर इस तरह का इमोशनल डंपिंग सामने वाले व्यक्ति पर नकारात्मकता के भाव पैदा करता है और वह कभी कभार तनाव के दौर से गुजरने लगता है। इसीलिए कहा जाता है कि भाई दिल पर मत लो। अब जब दिल पर मत लो की भावना होगी तो फिर आपकी भड़ास के मायने क्या रहेंगे।

इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है। ऐसे में इमोशनल डंपिंग के शिकार लोगों के प्रति मनोविज्ञानी गंभीर चिंतन मनन में लगे हैं। वहीं इग्नोर करने, दूसरी बातों में ध्यान लगाने, अवसर मिलने पर सामने वाले को असहमति से अवगत कराने और उसे अनावश्यक संवाद के लिए इशारों में मना करने की हिम्मत भी जुटानी होगी क्योंकि दूसरे को मुसिबत में सहायता कोई बात साझा करने में और इक तरफा भड़ास निकालने में अंतर होता है। स्वयं तनाव के बोझ से मुक्त होने के लिए दूसरे को तनाव में ड़ालना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। नहीं तो जिस तेजी से आज इमोशनल डंपिंग का दौर चला है वह आने वाले समय में और भी अधिक गंभीर और समाज के लिए नकारात्मकता फैलाने वाला हो जाएगा। ऐसे में सोशियल मीडिया के उपयोग के समय उसमें रम जाने की मानसिकता को छोड़ना होगा। रील्स या शार्टस में प्रस्तुत सामग्री के प्रति अधिक गंभीर होने की आवश्यकता नहीं रह जाती है क्योंकि उसके समय व विश्वसनीयता प्रश्नों के घेरे में हमेशा बनी रहती है। एक तरह से यह तो भावनात्मक ब्लेकमेलिंग का माध्यम बनता जा रहा है। दूसरा यह कि जो सामग्री आपको विभिन्न प्लेटफार्म से मिल रही है उसे गंभीरता से लेने की इसलिए आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि उस सामग्री पर प्रतिक्रिया के चक्कर या प्रतिक्रियाओं के चक्रव्यूह में फंसने से आपमी मानसिक शांति भंग होना स्वाभाविक है। इसलिए दिमाग पर अधिक बोझ ड़ालने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

शक्ति की आराधना का पर्व है गुप्त नवरात्रि

इस वर्ष 26 जून 2025 को आषाढ़ के दिन गुप्त नवरात्रि का प्रारम्भ होगा। प्रात:काल समय नवरात्रि का पूजन आरंभ होगा। नवरात्रि का त्यौहार माता दुर्गा को समर्पित है। इस दौरान शक्ति के विभिन्न स्वरूपों की पूजा होती है। इस शक्ति उपासना में अनेकों पौराणिकों का पालन होता है। इस में जप-तप का पालन किया जाता है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आते हैं, जिनमें से दो इस प्रकार हैं जो बहुत विस्तार से मनाए जाते हैं। जो चैत्र मास के दौरान मनाया जाता है।

दूसरी नवरात्रि शारदीय नवरात्रि के रूप में मनाई जाती है। यह दोनों बहुत ही व्यापक स्तर के लोगों द्वारा मनाए जाते हैं। अन्य 2 नवरात्रि गुप्त रूप से मनाई जाती हैं। यह गुप्त नवरात्रि माघ माह और आषाढ़ मास में मनाई जाती है। ऐसे में ये दो समय में मनाए जाते हैं जिनमें गुप्त नवरात्रि के रूप में मनाए जाते हैं।

कलश स्थापना

ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री बताते हैं कि 26 जून को कलश स्थापना होगी और 4 जुलाई को नवरात्रि समाप्त होंगे। गुप्त नवरात्रि के इस मौके पर 10 महाविद्याओं की पूजा की जाती है। इस बार आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पर ध्रुव योग और सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। ध्रुव योग 26 जून को शुरू होगा और अगले दिन 27 जून को सुबह 5.37 मिनट तक रहेगा।

इस बार गुप्त नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए एक घंटा 32 मिनट का समय मिल रहा है। आपको बता दें कि गुप्त नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि के दिन कलश स्थापना होती है। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 25 जून को शाम को 4 बजे से लग रही है और 26 जून को दोपहर 1.24 बजे तक लगेगी। उदया तिथि के अनुसार प्रतिपदा 26 को रहेगी, इसलिए गुप्त नवरात्रि 26 जून से शुरू होगें। कलश स्थापना के लिए अभीजीत मुहुर्त सुबह 10.58 मिनट से 11..53 मिनट तक रहेगा।

ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री ने बताया कि इन गुप्त नवरात्रि में सिद्धियों की प्राप्ति होती है। इन गुप्त नवरात्रि के दिन दुर्गासप्तशती का पाठ करना चाहिए और दुर्गा के सभी रूपों का स्मरण करना चाहिए। नवरात्रि के दिन प्रात:काल समय उठ कर माता का स्मरण करना चाहिए और माता के साथ घी का दीपक भी जलाना चाहिए एवं माता का पूजन आरंभ करना चाहिए। नवरात्रि का पर्व शक्ति की आराधना का पर्व है। सृष्टि में विद्यमान प्रकृति ही वह शक्ति है जो जीवन के संचालन में अपना योगदान संस्थान है।

नवरात्रि के 9 दिनों का विशेष महत्व

प्रकृति का सानिध्य संरक्षक पुरुष के जीवन को भी नया चरण एवं स्वरूप को मिलता है और इसी क्रम में आने वाले नवरात्रि के 9 दिनों का अपना एक विशेष महत्व होता है। गुप्त नवरात्रि की एक चरणबद्ध प्रक्रिया होती है, जिसमें शक्ति का हर रंग प्रकट होता है। इस शक्ति पूजन में देवी काली, देवी तारा, देवी ललिता, देवी मां भुवनेश्वरी, देवी त्रिपुर भैरवी, देवी छिन्नमस्तिका, देवी मां धूमावती, देवी बगलामुखी, देवी मातंगी, देवी कमला।

ये समग्र शक्तियाँ तंत्र साधना में प्रमुख रूप से पूजी जाती हैं। गुप्त नवरात्र में दस महाविद्याओं की पूजा की प्रमुखता दी जाती है। ये शक्ति के दश रूप हैं। हर एक फॉर्म आपके लिए संपूर्ण होता है। जो सृजन के संचालन और उसमें शामिल गुप्त रहस्यों को समाए होता है।

महाविद्या संपूर्ण द्योतक की शिक्षा है। इनमें से एक संकटों का नाश होता है। इन दस महाविद्याओं को तंत्र साधना में बहुत ही दृढ़ संकल्पित माना गया है।

गुप्त नवरात्रि पूजा में सिद्धियों को प्राप्त करना

गुप्त नवरात्रि पूजा में सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए साधक को देह को शुद्ध करना होता है। मंत्रों के जाप के दौरान यह शुद्धिकरण संपत्ति होती है। जिस स्थान पर पूजा आरंभ की जाती है उसी स्थान पर नियमित रूप से साधना करनी चाहिए। जगह को बार-बार बदलना नहीं चाहिए। एक स्थान पर आसन पर शेष पूजा करणी कलश और जो आसन स्वयं के उपयोग के लिए है उसे किसी अन्य का उपयोग नहीं करना चाहिए। प्रत्येक दिन की सिद्धि में एक ही स्वरूप को पूर्ण एकाग्रता और तन्मयता का साथ देना चाहिए।

काली तारा महाविद्या षोडशी भुवी।
भैरवी छिन्नमस्ता च विद्या धूमावति तथा।
बगला सिद्ध विद्या च मातंगी कमलात्मिका
एता दशमहाविद्या: सिद्धविद्या प्रकीर्तिता: ॥

– पंडित अतुल शास्त्री

किचन बनवाते समय रखें वास्तु का ध्यान

घर बनवाते वक्त हम सारे लेटेस्ट डिजाइन, कलर और डेकॉर का पता लगा लेते हैं। वहीं कुछ लोग वास्तु का ध्यान रखकर बेडरूम से लेकर लिविंग एरिया और पूजा घर को काफी हद तक ठीक दिशा में बनवाने की भी कोशिश भी करते हैं। इस दौरान लोग सबसे ज्यादा घर के जिस कोने को नरजअंदाज करते हैं वो किचन होता है। बता दें कि वास्तु शास्त्र के कुछ टिप्स ना सिर्फ आपके किचन को पॉजिटव वाइब्स से भर देंगे बल्कि आपकी जिंदगी में भी कई बदलाव आने लग जाएंगे। तो चलिए जानते हैं कि आखिर किचन को बनवाते समय या इसके बाद हमें किन-किन बातों का सबसे ज्यादा ख्याल रखना चाहिए?

स्टोव और गैस बर्नर की दिशा

जब भी आप स्टोव या फिर गैस बर्नर को किचन में रखें तो इस बात का ध्यान रखें कि कभी ये मुख्य दरवाजे के ठीक सामने ना हो। साथ ही इसे दीवार से कुछ इंच की दूरी पर ही रखिएगा।

इस ओर हो किचन का दरवाजा

किचन बनवाते वक्त आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना है कि आखिर इसका एंट्रेस किस ओर हो। वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन का मुख्य दरवाजा किसी कोने में नहीं होना चाहिए। अगर दरवाजे की दिशा पूर्व, उत्तर या फिर पश्चिम की ओर है तो बहुत ही बढ़िया है।

खाना बनाते ही करें ये काम

आप किचन में कुछ भी पका रहे हैं। उसे खाने से पहले एक छोटा सा हिस्सा अग्नि देवता के नाम करके अलग निकाल दें। इससे आपके घर में हमेशा बरकत आएगी। साथ ही आप हमेशा खुश और संपन्न रहेंगे।

सोने से पहले जरूर कर लें ये काम

डिनर के बाद किचन को पूरी तरह से साफ कर लें। वहीं इस्तेमाल किए गए बर्तनों को कल धोने के लिए ना रखें। इन बर्तनों को सोने से पहले जरूर साफ कर लें।

पुदीने के स्टोर करने के कुछ उपयोगी टिप्स

1. पेपर टॉवल में लपेटकर फ्रिज में रखें

अगर आप पुदीने को कुछ दिनों के लिए ताजा रखना चाहते हैं, तो इसे अच्छी तरह धोकर सुखा लें और फिर एक पेपर टॉवल या सूती कपड़े में लपेटकर एक एयरटाइट डिब्बे में रख दें। ऐसा करने से पुदीने में मॉइस्चर के कॉन्टेक्ट में कम आएगा, जिससे पत्तियां जल्दी खराब नहीं होतीं। 5-7 दिन तक पुदीना फ्रेश रह सकता है।

2. पानी में डंठल सहित रखें

पुदीने को फूलों की तरह एक गिलास या कटोरी में पानी डालकर उसमें डंठल सहित रखें। ऊपर से एक पॉलीथिन या जिप बैग से ढंक दें और फ्रिज में रख दें। इस तरीके से रखने से पुदीने की जड़ें सूखती नहीं हैं और ये 8-10 दिनों तक हरा और ताजा बना रहता है।

3. पुदीने की चटनी बनाकर फ्रीज करें

अगर आपके पास ज्यादा पुदीना है, तो उसे पीसकर चटनी बना लें और आइस क्यूब ट्रे में डालकर फ्रीजर में जमा दें, जब भी जरूरत हो, एक या दो क्यूब निकालकर इस्तेमाल करें। ये चटनी 1 से 2 महीने तक भी खराब नहीं होती और खाने में इस्तेमाल करने पर बिल्कुल फ्रेश जैसी लगती है।

कई बार लोग हफ्ते भर के लिए पुदीना खरीद लाते हैं, लेकिन दो-तीन दिन में ही उसकी पत्तियां काली पड़ने लगती हैं और इस्तेमाल के लायक नहीं रह जातीं। कई बार तो दो दिन में ही इसकी पत्तियां काली पड़ने लगती हैं और उसका इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में बार-बार बाजार जाना या खराब पुदीने को फेंकना दोनों ही झंझट वाला काम है। अगर आप चाहते हैं कि पुदीना लंबे समय तक ताजा बना रहे और हर बार चटनी या ड्रिंक के लिए नया पुदीना न लाना पड़े, तो आपको इसे सही तरीके से स्टोर करना आना चाहिए।

स्किन का मानसून में हेल्दी रखने के उपाय

मौसम में बदलाव का असर त्वचा पर भी होता है। गर्मी के बाद बरसात होने से तापमान में थोड़ी गिरावट हो जाती है, लेकिन ये आद्र मौसम होता है, जिसमें नमी होती है और साथ में गर्माहट की वजह से बारिश रुकने के बाद उमस होने लगती है। ऐसे मौसम में लोगों को सांस लेने में समस्या, बहुत जल्दी थकान हो जाना जैसी दिक्कतें होती हैं तो वहीं इस दौरान स्किन एलर्जी भी होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। मानसून में त्वचा ज्यादा ऑयली और चिपचिपी होने की वजह से पिंपल, एक्ने, ब्लैक हेड्स होने लगती हैं। इन सारी समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी है कि आप स्किन क्लीनिंग और हाइजीन का खास ध्यान रखें।

नीम है कमाल का इनग्रेडिएंट

फल से लेकर पत्तियों और छाल तक नीम का पेड़ औषधीय गुणों से भरपूर है और मानसून में स्किन प्रॉब्लम से बचाव के लिए तो ये रामबाण से कम काम नहीं करता है। अगर फोड़े-फुंसी हो जाएं तो इसकी पत्तियों का लेप लगा सकते हैं साथ ही पत्तियों को उबालकर उसके पानी से नहाने से भी स्किन एलर्जी से बचाव होता है। इसके अलावा बरसात के दौरान होने वाले एक्ने और पिंपल्स से निजात दिलाने के लिए तो नीम दवा का काम करती है।

एलोवेरा का यूज करें

ज्यादातर घरों में आसानी से मिल जाने वाला एलोवेरा स्किन के लिए वरदान से कम नहीं माना जाता है। इसके हाइड्रेटिंग और एंटीबैक्टीरियल गुण बरसात में आपकी त्वचा को हील करने के साथ ही एलर्जी से बचाने में भी कारगर रहते हैं। एलोवेरा को नेचुरल चीजों से बनने वाले ज्यादातर फेस पैक में मिलाकर आसानी से यूज किया जा सकता है या फिर इसे सीधे भी फेस पर अप्लाई कर सकते हैं, लेकिन स्किन सेंसेटिव हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

खीरा करें स्किन केयर में शामिल

बारिश के मौसम में स्किन को हेल्दी रखना हो तो खीरा को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। ये उमस से डल हुई स्किन में नई जान डालने का काम करता है। इसे एलोवेरा, मुल्तानी मिट्टी, आदि में मिलाकर लगा सकते हैं, जिससे फायदे और भी बढ़ जाते हैं। खीरा अंडर आई डार्क सर्कल को कम करने में भी कारगर रहता है। टैनिंग हो तो खीरा के रस में टमाटर का रस या फिर तीन से चार बूंद नींबू का रस मिलाकर लगाना चाहिए।

बारिश के मौसम में ऑयली स्किन वालों के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बढ़िया रहता है।

बच्चों की सही परवरिश करना बेहद ही चैलेंजिंग काम

बच्चों की सही परवरिश करना बेहद ही चैलेंजिंग काम है। कई बार तो जानें-अनजाने में ही कुछ ऐसी भूल हो जाती हैं, जो बच्चे की लाइफ पर बड़ा गहरा और नेगेटिव असर डाल सकती हैं। अब उदाहरण के लिए देखें तो आपका बच्चा स्कूल में,घर पर या पड़ोस में रोजाना कई लोगों के कॉन्टैक्ट में आता है। कई लोगों से बच्चे की बातचीत भी होती है और कईयों से तो गहरा बॉन्ड भी बन जाता है। लेकिन कई बार इनमें कुछ ऐसे लोग बच्चे से टकरा जाते हैं, जो उसके बिहेवियर, कॉन्फिडेंस और यहां तक कि वैल्यूज को भी डैमेज कर सकते हैं। बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा इन्हीं आसपास वाले लोगों से होता है। इसलिए जिम्मेदार पैरेंट्स होने के नाते आपको यह जानना जरूरी है कि किन लोगों से आपको अपने बच्चे को दूर रखना चाहिए।

जो हर बात पर बच्चे को दिखाएं नीचा

कई बार घर पर आपके कुछ ऐसे दोस्त या रिलेटिव्स आते होंगे, जो बच्चे को नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ते होंगे। ये टॉक्सिक लोग हमेशा बच्चे में कमियां ढूंढने में लगे रहते हैं। 'अरे इतने कम नंबर लाए', 'तुम्हें अभी तक ये भी करना नहीं आता', 'हमारा लड़का तो पढ़ाई में तुमसे बहुत तेज है'। ऐसे बातें करने वाले लोगों से बच्चों को हमेशा दूर रखना चाहिए। ये बातें बच्चों के कॉन्फिडेंस को खत्म करती हैं और वो खुद को ही नेगेटिव तरीके से देखने लगते हैं।

जो बच्चों से बनें ओवर फ्रेंडली

बच्चों को हमेशा ऐसे बड़े लोगों से दूरी बनाने को कहें जो उनसे ओवर फ्रेंडली होते हों। उनके साथ सीक्रेट बातें करते हों और मम्मी-पापा से कुछ भी बताने को मना करते हों। इसके साथ ही फिजिकल टच में भी बच्चों को सही बाउंड्री बताने की जरूरत है। अक्सर मामलों में बच्चों के शोषण की शुरुआत यहीं से होती है, जब कोई बड़ा आदमी पैरेंट्स की परमिशन के बिना बच्चों के साथ ज्यादा क्लॉज होना शुरू कर देता है। इसलिए बच्चों को पहले से ही हेल्दी बाउंड्री मेंटेन करना सिखाएं और उनसे कहें कि ऐसा कुछ भी महसूस होने पर वो तुरंत आपसे शेयर करें।

जिनकी भाषा और व्यवहार गलत हो

छोटे बच्चे अपने आपसास की चीजों को बड़ी जल्दी कैच करते हैं। इसलिए उन्हें ऐसे लोगों के कॉन्टैक्ट में बिल्कुल ना रहने दें जिनकी भाषा अभद्र हो और व्यवहार भी। जो लोग बात-बात पर गंदी गलियां देते हों, मार-पीट करते हों या हद से ज्यादा गुस्सा करते हों; ऐसे लोगों के आसपास भी बच्चों ना भटकने दें। क्योंकि बच्चा जब ये सब देखता है तो उसे लगता है ये करना ठीक है, और फिर वो भी यही सेम बिहेवियर अपना लेता है।

बहुत नेगेटिव सोच रखने वाले लोग

कुछ लोगों की सोच बड़ी नेगेटिव होती है। उन्हें हर बात में सिर्फ कमियां ही झलकती हैं और कोई नया काम करने से पहले ही वो उल्टा-सीधा सोचना शुरू कर देते हैं। ऐसे नेगेटिव लोगों से भी बच्चों को हमेशा दूर रखना चाहिए। 'अरे ये काम बहुत मुश्किल है, तुमसे नहीं होगा' या 'तुम रहने दो तुम्हारे बस की बात नहीं'; ऐसी बातें बोलकर ये बच्चे का कॉन्फिडेंस भी गिरा देते हैं और बच्चा भी फिर उनकी तरह नेगेटिव सोचना शुरू कर देता है। इसलिए हमेशा पॉजिटिव एटीट्यूड रखने वाले लोगों के साथ ही बच्चों को मिलवाना चाहिए।

बारिश के मौसम के मजे को दोगुना कर देगी चाय

मानसून का मौसम तो चाय पीने के लिए बेस्ट रहता है। बारिश की फुहारें गिर रही हो और गरमा गरम चाय मिल जाए तो मौसम और भी ज्यादा सुहाना लगने लगता है। भारत में हर राज्य से लेकर शहर और कस्बे में भी कोई न कोई यूनिक स्वाद आपको मिल जाएगा। इसी तरह से हमारे यहां अलग-अलग स्वाद वाली चाय की रेसिपीज भी पॉपुलर हैं।

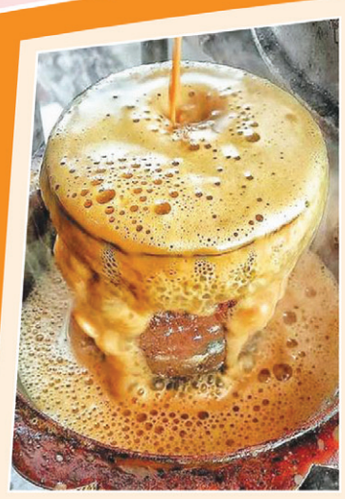

तंदूरी चाय

मसाला चाय के बाद बात कर लेते हैं तंदूरी चाय की। जिसका सौंधा-सौंधा स्वाद मन को भी तृप्त कर देता है। कुल्हड़ में चाय पीना तो सभी को पसंद होता है, लेकिन तंदूरी चाय को तो तैयार ही मिट्टी के बर्तनों में किया जाता है। चाय को तैयार करने के बाद तेज आंच में पकते हुए बर्तनों में इसे उड़ेला जाता है, जिससे इसे एक अलग ही खुशबू और फ्लेवर मिलता है।

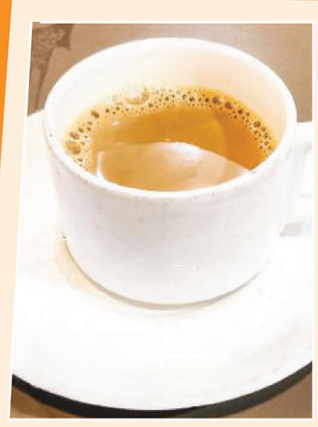

ईरानी चाय

आपने भी शायद कभी ईरानी चाय ट्राई की होगी। क्रीमी टेक्सचर वाली इस चाय को बनाने का तरीका भी बिल्कुल अलग होता है और इसका टेक्सचर काफी क्रीमी रहता है। इस चाय को ईरानी पाव या बिस्किट के साथ परोसा जाता है।

कश्मीर की कहवा चाय

कश्मीर की कहवा चाय विदेशी सैलानियों को भी खूब भाती है और ये टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी रहती है। इसे केसर, दालचीनी, लौंग और बादाम-अखरोट जैसे नट्स के साथ बनाया जाता है। ये सुगंधित चाय आपको एक बार जरूर ट्राई करनी चाहिए।

कश्मीरी नून चाय

कहवा के अलावा कश्मीर में नून चाय भी काफी पॉपुलर है। ये देखने में बाकी चायों से काफी अलग होती है। इसे देखकर आपको लगेगा जैसे किसी ने आपके आगे कोई शेक रख दिया हो। दरअसल ये चाय गुलाबी रंग की होती है जिसका टेस्ट भी नॉर्मल चाय से काफी अलग होता है।

संक्षिप्त समाचार

टिकनपाल प्राथमिक शाला कांडकीपारा और सोढ़ीपारा में न्योता भोज का आयोजन

कुआकोंडा (समय दर्शन): जिला प्रशासन की पहल और कुआकोंडा विकास खंड के शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार गुरुवार को संकुल केंद्र टिकनपाल के प्राथमिक शाला कांडकीपारा और सोढ़ीपारा में न्योता भोज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, पालक, बच्चे और शिक्षक शामिल हुए।कार्यक्रम में तहसीलदार कुआकोंडा महेश कश्यप, मध्यान्ह भोजन नोडल अधिकारी मोहंती, बीआरसी राणा, बीआरपी रजक, संकुल समन्वयक बघेल और शाला के शिक्षक उपस्थित थे। अधिकारियों ने पालकों और बच्चों को शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि शिक्षा से गांव, समाज और देश का विकास संभव है।शिक्षक अश्वन कुंजाम और गोपलाल गोयल ने कहा, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है। पालक अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें। कार्यक्रम के अंत में सभी को पूरी, खीर, चावल, दाल, सब्जी, आचार और पापड़ का भोजन परोसा गया। इस आयोजन ने समुदाय में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कुकुसदा ग्राम पंचायत में अवैध शराब बिक्री और मुआवजा मुद्दों पर बैठक आयोजित

पथरिया (समय दर्शन) पथरिया विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कुकुसदा में अवैध शराब बिक्री और मनियारी बैराज परियोजना के मुआवजा संबंधी मुद्दों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम अजय शतरंज, जनपद पंचायत पथरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार, आबकारी विभाग की टीम सहित प्रशानिक अधिकारी तथा ग्राम सरपंच, पंचगण, कोटवार और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बैठक में ग्रामीणों ने अवैध शराब बिक्री पर चिंता जताई और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। आबकारी विभाग की टीम ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अवैध शराब के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मनियारी बैराज परियोजना से प्रभावित हितग्राहियों को मुआवजा वितरण में आ रही समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। हितग्राहियों ने पारदर्शिता और समयबद्ध मुआवजा वितरण की मांग की। इस पर अधिकारियों ने सभी दावों की निष्पक्ष जांच व शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया।

सांकरा के सड़क में केजव्हीलयुक्त ट्रैक्टर परिवहन पर हुई कार्यवाही

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर सरिया तहसीलदार कोमल साहू ने सड़क में केज व्हीलयुक्त वाहनों के उपयोग करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया है। इसी कड़ी में ग्राम सांकरा में बिना पट्टी के सड़क में डबल कैज़्व्हीलयुक्त ट्रैक्टर चलने पर जब्ती की कार्यवाही की गई। वाहन मालिक द्वारा नवीन निर्मित सड़क में परिवहन करते हुए डबल कैज़्व्हीलयुक्त ट्रैक्टर को खेत में ले जाया गया था। एक माह पूर्व से प्रशासन द्वारा सड़क में डबल कैजे़ व्हील नहीं चलाने, पट्टी लगाने हेतु मुनादी किया गया था। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे द्वारा ग्राम सचिव, सरपंच का डबल कैज़ व्हील नहीं चलाने के सम्बन्ध मे बैठक भी लिया गया था। ट्रैक्टर मालिक चितामनी प्रधान निवासी सांकरा से डबल कैजे़ व्हील युक्त ट्रैक्टर को जब्त करके ग्राम पंचायत के सुपुर्द किया गया है। कार्यवाही के दौरान पुलिस, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

ग्रामों का भ्रमण कर स्वच्छता से संबंधित समस्त मापदंडों पर तत्परता से कार्य करें -जिला पंचायत सीईओ

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण को लेकर प्रशिक्षण सह बैठक संपन्न

नोडल अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व, प्रत्येक ग्राम में तय मानकों पर कार्यवाही के निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 की तैयारियों को लेकर आज जिला पंचायत सभाकक्ष मुंगेली में प्रशिक्षण सह बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के उप संचालक सुश्री भूमिका देसाई सहित ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम के समस्त नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत सीईओ ने नोडल अधिकारियों को अपने-अपने आबंटित ग्रामों में क्षेत्र भ्रमण कर स्वच्छता से संबंधित समस्त मापदंडों पर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को सर्वेक्षण के विभिन्न घटकों के अनुसार विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बताया गया कि गांव एवं घरों की स्वच्छता, संयंत्रों की स्थिति एवं नागरिक प्रतिक्रिया के आधार पर सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण का कुल मूल्यांकन 1000 अंकों के आधार पर होगा, जिसमें सेवा स्तर की प्रगति हेतु 240 अंक, गांव एवं घरों की स्वच्छता की प्रत्यक्ष स्थिति पर 540 अंक, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत नियमित संयंत्रों के प्रत्यक्ष अवलोकन हेतु 120 अंक तथा नागरिक प्रतिक्रिया पर 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रशिक्षण में बताया गया कि सर्वेक्षण के दौरान प्रत्येक यूनिट का मूल्यांकन निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया जाएगा, जिसके उपरांत जिले को औसत अंकों के आधार पर रैंकिंग प्रदान की जाएगी। बैठक के अंत में अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे सर्वेक्षण के लिए निर्धारित सभी बिंदुओं पर गंभीरता से कार्य करते हुए जिले को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंक दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

ई-ऑफिस से होगी शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और दक्षता - कलेक्टर

कलेक्टर ने ई-ऑफिस के जरिए भेजी फाइल, जिले में हुई प्रणाली की विधिवत शुरुआत

मुंगेली (समय दर्शन) शासन के निर्देशानुसार मुंगेली जिले में सभी शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली का क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में ई-ऑफिस के माध्यम से फाइल प्रेषित कर इसका विधिवत शुभारंभ किया। कलेक्टर ने कहा कि ई-ऑफिस से न केवल कार्यों में पारदर्शिता आएगी, बल्कि समयबद्धता और दक्षता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि शासन की मंशानुरूप समस्त विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और सुगम बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म पर दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग एवं प्रसंस्करण, कार्यों में पारदर्शिता और कुशलता, समय की बचत एवं प्रक्रिया की गति में सुधार, कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग स्थापित करना है।

कलेक्टर ने कहा कि इससे कागजी कार्यवाही में कमी आएगी और फाइलों का त्वरित निपटारा संभव होगा। उन्होनें समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे ई-ऑफिस का नियमित, प्रभावी और सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करें। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने बताया कि इसका उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों को तेज और पारदर्शी बनाना है, इससे पूरी प्रक्रिया पेपरलेस होगी। कागजी नोटशीट फाइलें नहीं चलेंगी, उनकी बजाए ऑनलाइन फाइलें इधर से उधर जाएंगी। फाइलों के डिजिटल रूपांतरण के तहत कागजी फाइलों को स्कैन कर सिस्टम में अपलोड किया जायेगा। अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल रूप से फाइल पर नोट लगा सकते हैं। टिप्पणियां दे सकते हैं और स्वीकृति दे सकते हैं। हर फाइल और नोट की स्थिति जैसे कहां रुकी है, किसके पास है जैसी स्थितियों को रियल टाइम में ट्रैक किया जा सकता है। सरकारी कार्यालयों के अंदर सूचना भेजने और प्रगति की निगरानी के लिये डैशबोर्ड और मेल सिस्टम की सुविधा है। उल्लेखनीय है कि ई-ऑफिस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन हेतु पूर्व में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पोर्टल के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई थी। इस अवसर पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी देवेंद्र राजपूत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जल्द ही जिले में सरकारी कामकाज होंगे ऑनलाइन

ई -ऑफिस के गुर सीखने कर्मचारियों को मिला प्रशिक्षण

धमतरी (समय दर्शन)। जिले में जल्दी सरकारी कामकाज अब ऑनलाइन होंगे। इसके लिए जिले के अधिकारी कर्मचारियों को ई ऑफिस के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।छत्तीसगढ़ के समस्त विभागों एवं कार्यालयों में ई-ऑफिस के क्रियान्वयन किये जाने की कार्यवाही लगातार चल रही है। जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस ऑन बोर्डिंग प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। जिले में शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में ई-ऑफिस प्रणाली का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी तारतम्यता में आज जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ई-ऑफिस के कार्यप्रणाली, उपयोगिता और तकनीकी पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें सामान्य प्रशासन विभाग के मास्टर ट्रेनर पर्व सिंह ठाकुर एवं श्रेयश ठाकुर द्वारा ई -ऑफिस की विस्तृत जनकारी एवं प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को फाइल प्रबंधन, ई-नोटिंग, ई-डिस्पैच, पत्राचार की प्रक्रिया, दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग, यूजर एक्सेस कंट्रोल और कार्य प्रवाह प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ उन्होंने लाइव डेमो के माध्यम से समझाया कि, किस प्रकार से ई-ऑफिस का उपयोग दैनिक कार्यों में किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी, संयुक्त कलेक्टर श्री पवन प्रेमी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने विभिन्न विभागों का बिलाईगढ़ में किया समीक्षा

कलेक्टर ने विभागों के लापरवाह मैदानी अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जनपद पंचायत बिलाईगढ़ में सुबह से शाम तक निरंतर एक के बाद राजस्व, पंचायत, निर्माण एजेंसी, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, कृषि, उद्यान, पशुधन, मत्स्य, रेशम विभागों का समीक्षा बैठक लिया गया। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सभी विभागों के लापरवाह मैदानी अधिकारियों कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने पटवारियों को कहा कि राज्य शासन के सभी योजनाओं का लाभ दिलाने में पटवारी अपनी भूमिका का निर्वहन अच्छे से करें। कलेक्टर ने बटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती आदि कार्य में संतोषजनक कार्य नहीं किए, ऐसे बिलाईगढ़ ब्लॉक के तीनों तहसीलो के 3-3 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन पीएम आवास के प्रगति का समीक्षा करते हुए कहा कि समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करें। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत जिस गांव में नल जल चालू है ऐसे गांव में ग्राम पंचायत की ओर से यूजर चार्ज लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पाइप लाइन नहीं बिछाने देने वाले सरपंच को धारा 40 के तहत नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को कहा कि सभी प्रकार के सर्वे, इलाज, संस्थागत प्रसव, एनीमिया, आयुष्मान कार्ड बनाने जैसे सभी कार्यों में अच्छे से कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों को कहा कि कोई भी कार्य में लापरवाही नहीं करें। इसी प्रकार कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को किसानों को खाद उपलब्धता सहित पीएम किसान सम्मान निधि, किसान पंजीयन जैसे अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को महतारी वंदन योजना के हितग्राही को समस्या को दूर करने, किशोरी, महिलाओं और बच्चों को रजिस्टर में दर्ज अनुसार पोषक तत्व प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी स्कूलों का भवन, मध्यान्ह भोजन और पढ़ाई अच्छा होना चाहिए। कलेक्टर ने आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास अंतर्गत संचालित सभी आश्रम छात्रावास में बच्चों के 100 प्रतिशत दाखिला को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सभी अधीक्षक अपने आश्रम छात्रावास में नियमित रूप से निवास करें और बच्चों का बेहतर ख्याल रखें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन, एसडीएम वर्षा बंसल, सीईओ प्रतीक प्रधान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एनएमडीसी किरंदुल-बचेली में स्थानीय भर्ती की मांग को लेकर आदिवासी ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा, सुकमा, और बीजापुर जिलों के आदिवासी ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह से नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएमडीसी) की किरंदुल और बचेली परियोजना के चेकपोस्ट को जाम कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। भारी बारिश के बीच रेनकोट और छाते के साथ प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों की मुख्य मांग है कि एनएमडीसी की हालिया एल-1 और एल-2 स्तर की भर्ती प्रक्रिया में ट्रेनी पदों के लिए 995 रिक्तियों की घोषणा की थी।स्थानीय आदिवासी समुदाय का आरोप है कि इन भर्तियों में बाहरी उम्मीदवारों को तरजीह दी जा रही है, जबकि खनन गतिविधियों से प्रभावित स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसरों से वंचित किया जा रहा है। उनका कहना है कि खनन के कारण उनकी जमीन, आजीविका, और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है, इसलिए उन्हें रोजगार में प्राथमिकता मिलनी चाहिए।आंदोलन के चलते ग्रामीणों ने किरंदुल और बचेली परियोजना के प्रवेश द्वारों को पूरी तरह बंद कर दिया है। जिला प्रशासन और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गुरुवार सुबह 4 बजे से चेकपोस्ट पर अपनी मौजूदगी सुनिश्चित की है। ग्रामीणों का यह प्रदर्शन उनकी मांगों के प्रति गंभीरता और एकजुटता को दर्शाता है। परियोजना से प्रभावित स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता दी जाए।संयुक्त पंचायत के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीण इस आंदोलन में शामिल हैं, जो अपनी मांगों को लेकर दृढ़ संकल्पित हैं। एनएमडीसी, एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, बैलाडिला आयरन ओर माइन्स में लौह अयस्क खनन करती है। कंपनी ने हाल ही में किरंदुल, बचेली, और डोनिमलई परिसरों में फील्ड अटेंडेंट, मेंटेनेंस असिस्टेंट, ब्लास्टर, इलेक्ट्रीशियन जैसे

पूर्व पदस्त लिपिक का कई आरोपो में कलेक्टर से शिकायत

चन्द्रपुर (समय दर्शन) -चंद्रुपर के समाजसेवी गौरी गुप्ता ने जीधन लाल चौधरी जो कि शासकीय सेवा में रहते हुए फर्जी शासकीय प?ट्टा बनवाने, नगर पंचायत चन्द्रपुर से अवैध भवन अनुज्ञापत्र बनवाने, एवं वर्ष 2011 की जनगणना सूची में अपने तथा अपने परिवार की जनगणना गलत तरीके से दो स्थानों से नाम दर्ज कराने मामला कलेक्टर से शिकायत किया उक्त शिकायत पत्र में जीधन लाल चौधरी पिता आदित्य राम चौधरी निवासी ग्राम कठली तहसील पुसौर जिला रायगढ़ (छ.ग.) का निवासी है, के द्वारा शासकीय सेवा में (शशिभूषण सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चन्द्रपुर में शिक्षा विभाग में लिपिक के पद पर) रहते हुए अपनी पत्नी एवं पुत्र के नाम पर दिनांक 08.09.2002 एवं 02.03.2007 को ग्राम पंचायत चन्द्रपुर (वर्तमान नगर पंचायत) से शासकीय भूमि का फर्जी पट्टा बनवाया गया है, उक्त फर्जी पट्टा में पटवारी अथवा किसी भी अन्य सक्षम अधिकारी का हस्ताक्षर एवं सील मोहर नहीं है. एवं जो फर्जीवाड़ा के साथ-साथ शासकीय सेवा संहिता का घोर उल्लंघन है, क्योंकि किसी भी शासकीय कर्मचारी को शासकीय भूमि पर पट्टा प्राप्त करने की पात्रता नहीं है। यह कि जीधन लाल चौधरी के द्वारा पैसा एवं अपने पद के प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए सांठगांठ करके नगर पंचायत चन्द्रपुर से दिनांक 05/02/2011 को फर्जी भवन अनुज्ञापत्र बनवाया गया है, उस समय जीधन लाल चौधरी के नाम से नगर पंचायत चन्द्रपुर क्षेत्र में किसी प्रकार की पंजीकृत भूमि ही नहीं था और भवन अनुज्ञापत्र में जो भूमि का उल्लेख है वह भूमि दूसरे के नाम पर दर्ज है। जो कि कानूनन गलत है, क्योंकि इस प्रकार की भवन अनुज्ञापत्र नगर पंचायत द्वारा रजिस्टर्ड जमीन पर ही निर्माण संबंधी कार्य के लिए प्रदान किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि जीधन लाल चौधरी के नाम से नगर पंचायत चन्द्रपुर के रिकार्ड में किसी भी प्रकार की भवन अनुज्ञापत्र का वैध दस्तावेज नहीं है। नगर पंचायत चन्द्रपुर द्वारा जीधन लाल चौधरी को उक्त फर्जी भवन अनुज्ञापत्र के बारे में जानकारी होने पर कई बार नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया, किंतु जिधन लाल चौधरी द्वारा जवाब नहीं दिया गया, फ्लस्वरूप नगर पंचायत चन्द्रपुर द्वारा उक्त भवन अनुज्ञापत्र संदेहा-स्पद होने के कारण दिनांक 01.08.2023 को निरस्त किया गया था, तथापि जीधन लाल चौधरी के द्वारा उक्त फर्जी पट्टा एवं भवन अनुज्ञापत्र को सही साबित करते हुए न्यायालय, शासकीय कार्यालय एवं अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, जो कि गलत है। यह कि जीधन लाल चौधरी के द्वारा शासकीय सेवा में रहते हुए अपने मूल निवास कठली जिला-रायगढ़ (छ.ग.) एवं चन्द्रपुर जिला सक्ती (पूर्व में जांजगीर-चाम्पा) दोनों जगह से 2011 के जनगणना सर्वेसूची में अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का नाम दर्ज कराया गया है, उस समय जीधन लाल चौधरी जनगणना कार्य में प्रगणक का कार्य नगर पंचायत चन्द्रपुर में कर रहा था. आश्चर्यजनक बात यह है कि इन्होंने दोनों जगह की जनगणना सर्वेसूची में जन्मतिथि अलग-अलग दर्शाया है. जो सरासर फर्जीवाड़ा है।

यह कि जीधन लाल चौधरी के द्वारा उक्त फर्जी पट्टा, अवैध भवन अनुज्ञापत्र एवं फर्जी भूमि दस्तावेज को आज भी न्यायालय, शासकीय कार्यालय एवं अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है और प्रार्थी के स्वामित्व के मकान एवं भूमि पर अपना दावा कर रहा है और धमकी देकर प्रार्थी को मानसिक रूप से परेशान कर रहा है।आगे गौरी गुप्ता ने कलेक्टर साहब से निवेदन किया कि शासकीय सेवा में रहते हुए अनुचित रूप से शासकीय भूमि प?ट्टा बनवाने, अवैध भवन अनुज्ञापत्र बनवाने, जनगणना सर्वेसूची 2011 में गलत तरीके से एवं दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले जीधनलाल चौधरी (वर्तमान में सेवानिवृत) की उच्च स्तरीय जांच कराकर उनके खिलाफथाना में प्राथमिकी सूचना दर्ज करा कर दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग किया

खबर-खास

पंडरिया शक्कर कारखाना मेंटनेंस कार्य पर रखने श्रमिक कल्याण संघ ने क्षेत्रीय विधायक कार्यालय व एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कवर्धा (समय दर्शन)। शक्कर कारखाना में पेराई सत्र चालू करने के लिए श्रमिकों द्वारा मेंटनेस का कार्य किया जाता है और जैसे जिस दिनांक से ड्यूटी आते हैं उसी दिनांक से ड्यूटी ज्वाइन कर लेते हैं, जिससे पेराई सीजन अच्छा से संचालन हो सके और मेंटनेस कार्य सफल रहे। वैसे ही इस बार भी पेराई सत्र चालू करने के लिए मेंटनेंस कार्य किया जाना है जिसमें पूर्व में श्रमिक जिस दिनांक से आते हैं उसी दिनांक पर ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए जब कारखाना प्रबंधक के पास गए तो प्रबंधक मनमानी तानाशाही रवैया अपनाते हुए कहा कि इस वर्ष मैं अपने हिसाब से कार्य पर रखूंगा और कहा कि मैं किसी को ड्यूटी पर नहीं रखूंगा। इस बात को लेकर श्रमिकों ने पूर्व में 4, 5 वर्षों से जिस दिनांक से ड्यूटी आते हैं उसी दिनांक से ड्यूटी बुलाने के लिए आवेदन निवेदन किया। लेकिन कारखाना प्रबंधक ने श्रमिकों की बात नहीं सुनी। तब क्षेत्रीय विधायक कार्यालय व एसडीएम कार्यालय में जाकर अपनी समस्या से अवगत कराया और जल्द निराकरण करने का अनुरोध किया। श्रमिक कल्याण संघ का कहना है कि यदि हमारी समस्याओं का जल्द निराकरण नहीं करते हैं तो कारखाना प्रबंधक के खिलाफ सप्ताह भर बाद में सभी श्रमिकों के साथ आंदोलन करने के लिए बाध्य रहेंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी कारखाना प्रबंधक और शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने के लिए रमाशंकर विश्वकर्मा (अध्यक्ष) अजय बंजारे (सचिव) सत्यप्रकाश मानिकपुरी (कोषाध्यक्ष) मेलन मानिकपुरी (संयुक्त सचिव) संतराम वर्मा (प्रवक्ता) बिसेन साहू (सदस्य) अश्वनी साहू, गोपाल चंद्रवंशी, जुनैद खान, अजीत साहू, मनीष जायसवाल, लोकसिंह ठाकुर, शिवा निषाद, देव नेताम, मुकेश यादव, सूरज चंद्राकर विशेष रूप से उपस्थित रहे

12 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद।''नया सवेरा'' अभियान के अंतर्गत नशे के विरूद्ध वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को कड़ी एवं प्रभावी कार्यवाही के संबंध मे निर्देश दिये थे।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियो के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग को सक्रिय किया गया था।मुखबीर द्वारा आज थाना प्रभारी छुरा को सूचना दिया आरोपी संतोष कुंजाम पिता स्व0 श्याम लाल कुंजाम उम्र 47 वर्ष, निवासी कनसिंघी,थाना छुरा, अवैध रूप से शराब रखने एवं बेचने के संबंध में सूचना प्राप्त हुआ।मुखबीर द्वारा बताये सूचना के आधार पर आरोपी संतोष कुंजाम के कब्जे से अवैध रूप से रखे कुल 12 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 2400 रूपया को बरामद किया गया। आरोपी का उक्त कृत्य आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध 34 (2) आबकारी एक्ट अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी को समक्ष गवाहन के गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

देश में आपातकाल लगाकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारत की आत्मा, लोकतंत्र पर प्रहार किया- भावना बोहरा

कवर्धा (समय दर्शन)। तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा 25 जून 1975 को देश में आपातकाल घोषित किए जाने के विरोध में 25 जून 25 को जिला प्रशासन कबीरधाम द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा शामिल हुईं। उन्होंने आपातकाल की 50वीं बरसी पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाने वाले कर्मशील सेनानियों व मीसाबंदियों हरीश लूनिया, श्रीमती कुमारी देवी सोनी और विजय यादव को सम्मानित किया। केंद्र की मोदी सरकार ने इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में नागरिकों के मौलिक अधिकारों के हनन व प्रेस की आज़ादी पर लगाए गए प्रतिबंध के प्रति विरोध प्रकट किया।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 से 77 तक लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय है। उस दौरमें इंदिरा सरकार ने संविधान की मूल भावना को दरकिनार कर लोकतंत्र के आत्मा, संवैधानिक संस्थाओं, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों पर आघात किया। आपातकाल का कालखंड भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कलंक के टीके की तरह हैं। कांग्रेस ने आपातकाल की आड़ में भारत की आत्मा पर प्रहार किया। यह कोई प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र को कुचलने की साजिश थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान को नजरअंदाज किया, जनता के मौलिक अधिकार छीने, और असहमति की हर आवाज को जेल में बंद कर दिया। प्रेस की आजादी पर ताले लगाए गए, विपक्ष

के नेताओं को कैद किया गया, और आम नागरिक भय के साये में जीने को मजबूर हुआ। कांग्रेस का यह कदम सत्ता की लालच और तानाशाही की मानसिकता का प्रतीक है। जब उनकी सत्ता पर सवाल उठे, तो उन्होंने जनता को ही दबाने की कोशिश की। भ्रष्टाचार और कुशासन की आलोचना को दबाने के लिए आपातकाल थोपा गया। लेकिन वे भूल गए कि भारत की जनता गुलामी की जंजीरें तोड़ना जानती है। जयप्रकाश नारायण, स्व. अटल बिहारी वाजपेयी और लाखों देशवासियों ने इस अंधेरे के खिलाफ आवाज उठाई। सड़कों पर उतरे नौजवानों ने साबित किया कि लोकतंत्र किसी एक पार्टी का बंधक नहीं, बल्कि जनता की ताकत है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, रोशन दुबे, श्रीमती दीपा धुर्वे, श्रीमती राजेश्वरी धृतलहरे, जिला भाजपा कोषाध्यक्ष रूपेश जैन, जिलाधीश गोपाल वर्मा, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय त्रिपाठी, वन मंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल, सहित अनेक अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सत्ता की भूख ने जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की- भावना बोहरा ने कहा कि यह कोई साधारण निर्णय नहीं था; यह था एक तानाशाही थी, जहां सत्ता की भूख ने जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की। यह देश केवल सत्ता का मोह नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की कहानी है। एक वह युग था जब लोगों की आवाज को कुचला गया और आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जनता की आवाज को सुना जा रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आर्थिक सुधार, सामाजिक कल्याण और अवसंरचना विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है। मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत किया है। किसान कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं ने समावेशी विकास को बढ़ावा दिया है। धारा 370 हटाना, नई शिक्षा नीति, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, आज़ादी के बाद पहली बार जातिगत जनगणना, तीन तलाक कानून, वक्फ बोर्ड अधिनियम और जापान को पीछे कर आज भारत, विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। मोदी सरकार की इन उपलब्धियों ने विकसित भारत की दिशा में मजबूत आधार तैयार किया है। आर्थिक विकास, सामाजिक समावेशन और वैश्विक नेतृत्व के साथ, हम 2047 तक स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में एक समृद्ध और समावेशी भारत का सपना साकार करेंगे।

रथ नहीं,धर्म की धारा बहेगी,आज निकलेगी श्रीजगन्नाथ की ऐतिहासिक रथयात्रा — झांकियाँ, भक्ति और संस्कृति का महासंगम

गरियाबंद (समय दर्शन)। धर्म-संस्कृति डेस्क-छत्तीसगढ़ का शांत और श्रद्धाभाव से ओतप्रोत नगर गरियाबंद एक बार फिर धर्म की ध्वजा तैयार है।27 जून 2025 को यहां निकलेगी श्रीजगन्नाथ की ऐतिहासिक रथ यात्रा। यह न केवल एक धार्मिक आयोजन है,बल्कि नगर की आस्था,परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रदर्शन भी है।

श्रीजगन्नाथ परिवार युवा बल गरियाबंद पिछले तीन महीनों से इस पावन आयोजन की तैयारियों में दिन-रात जुटा हुआ है। आमंदी ग्राम में परंपरागत काष्ठ और बांस से निर्मित भव्य रथ तैयार किया गया है, जो भगवान के गमन का वाहन बनेगा। रथ की कारीगरी, सजावट और कलात्मकता, श्रद्धा की ऊँचाइयों को छूती है।

'नवयौवन वेश' में दर्शन, और फिर मौसी के घर गमन,,,,,26 जून को श्रीजगन्नाथ जी को नवयौवन वेश में सजाया गया।यह परंपरा दर्शाती है कि देव स्नान पूर्णिमा के पश्चात भगवान स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते हैं।कल जब वे रथ पर आरूढ़ होंगे,तो पूरा नगर जयकारों से गूंज उठेगा।यह यात्रा पुरी की परंपरा से प्रेरित है,लेकिन गरियाबंद की अपनी अद्भुत भव्यता और स्थानीय भावनात्मक जुड़ाव इसे विशेष बनाता है।

नगर में होगा भक्ति का उत्सव, झाँकियाँ, छत्तु, नृत्य और रोशनी से सजेगा मार्ग,,, यात्रा दोपहर 4 बजे श्रीजगन्नाथ मंदिर सिविल लाइन से प्रारंभ होकर भूतेश्वरनाथ चौक,तिरंगा चौक,बस स्टैंड,सुभाष चौक होते हुए नगर भ्रमण करेगी।इस दौरान सजीव धार्मिक झाँकियाँ,छत्तु व भक्ति संगीत से सजी ध्वनि व्यवस्था,लोकनृत्य, छत्तीसगढ़ी संस्कृति और रंग-बिरंगे सांस्कृतिक दल,विशेष लाइटिंग,फूलों से सजे वाहन और भक्तों का जनसागर शामिल होंगे।

वही जिलाप्रशासन पुलिस विभाग ने भी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

जिसमें ट्रैफिक रूट डायवर्जन,स्वास्थ्य टीम एंबुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र हर चौक चौराहे पर पुलिस की तैनाती,जल सेवा और मोबाइल वॉशरूम की व्यवस्था

हर पहलू पर बारीकी से काम किया गया है ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

अंतरजिला महासमुंद के तीन आरोपी को 12 किलो ग्राम गांजा के साथ किया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध नशे के बिक्री एवं परिवहन में रोक लगाने एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश किया गया था।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किया गया था।जिन्हें 26 जून को थाना प्रभारी फिंगेश्वर को मुखबीर के जरिए से सूचना मिला कि तीन व्यक्ति दो अलग-अलग मोटर सायकल से अपने कब्जे मे भारी मात्रा मे अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा लेकर छुरा रोड होकर फिंगेश्वर की ओर आ रहे है।जिसकी सूचना पर थाना से पुलिस स्टाफ के साथ रवाना हो करमेन रोड पहुंचकर नाकाबंदी कर आने जाने वालों संदिग्ध मोटर सायकल को चेकिंग किया जा रहा था। मुखबीर के बताये निशानदेही पर दो मोटर सायकल रोककर पुछताछ करने पर मोटर सायकल क्रमांक ओडी 03 जेड 8593 का चालक अपना नाम प्रकाश कुमार ध्रुव उर्फपप्पू पिता लालाराम ध्रुव उम्र 23 साल व पीछे बैठे व्यक्ति अपना नाम राहुल बघेल पिता ब्रम्हाराम बघेल उम्र 22 साल बताया तथा दुसरे मोटर सायकल क्रमांक छत्त 06 ।ष्ट 4636 का चालक से नाम पता पुछने पर अपना नाम सिध्दंत ध्रुव उर्फ सिध्दार्थ ध्रुव पिता मुरारी ध्रुव उम्र 20 साल सभी महासमुंद के रहने वाला बताये आरोपियों के कब्जे से 12.400 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसकी कीमती 1,22,000 रूपये साथ ही आरोपियों से घटना मे प्रयुक्त मोटर सायकल यामहा क्रमांक ओडी 03 जेड 8593,मोटर सायकल बजाज पल्सर क्रमांक सीजी 06 एचसी 4636 एक टच स्क्रीन मोबाईल,दो नग लाल नील ग्रे कलर का खाली बैग को तीनों आरोपीयों के कब्जे से गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपियों का कृत्य अपराध धारा सदर 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से तीनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

बजाज फिन्सर्व एएमसी ने लॉन्च किया स्मॉल कैप फंड : क्वालिटी, ग्रोथ और वैल्यू का 3-इन-1 फायदा

मुंबई/पुणे: बजाज फिन्सर्व एएमसी ने गुणवत्ता, विकास और मूल्य की पेशकश करने वाले बजाज फिन्सर्व स्मॉल कैप फंड, एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप स्टॉक में निवेश करता है, इसके शुरुआत की घोषणा की है। यह फंड सब्स्क्रिप्शन के लिए 27 जून 2025 से खुलकर 11 जुलाई 2025 को बंद होगा।

स्मॉल कैप में हाल ही में हुआ सुधार दीर्घावधि निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश अवसर उपलब्ध कराता है। हालाँकि 80त्न से अधिक स्मॉल-कैप कंपनियों ने 38त्न की मजबूत लाभ वृद्धि और ठोस प्रतिफल अनुपात दर्ज किया है, लेकिन उनमें से अधिकांश अभी भी अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर से 15-45त्न नीचे ट्रेड हो रहे हैं। इस हालिया बाजार सुधार ने इन कंपनियों के वास्तविक मूल्य और उनके मौजूदा बाजार मूल्यों के बीच एक स्पष्ट अंतर प्रस्तुत कर दिया है। 'मेक इन इंडिया' अभियान, बढ़ते औपचारिकीकरण और विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन जैसी संरचनात्मक अनुकूल परिस्थितियों के साथ, स्मॉल कैप अगले विकास चक्र में असमान रूप से लाभान्वित होने की अच्छी स्थिति में हैं, जो इन्हें एक आकर्षक निवेश अवसर बनाते हैं। बजाज फिन्सर्व स्मॉल कैप फंड उन निवेशकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी संबंधित साधनों में निवेश के माध्यम से दीर्घावधि संपत्ति बनाना चाहते हैं। यह सिर्फ कमज़ोर संचालन, असंगत बुनियादी बातों, या वित्तीय रूप से कमज़ोर कंपनियों को सख्ती से हटाकर गुणवत्तापूर्ण स्टॉकों का चयन करने से कहीं आगे जाता है। यह अनुशासित दृष्टिकोण हमें 1100 से अधिक स्मॉल कैप स्टॉकों में से उच्च-क्षमता वाले व्यवसायों पर केन्द्रीकृत कर देता है। इस प्रक्रिया का एक मुख्य भाग हमारे आंतरिक फोरेंसिक और जोखिम-जागरूक विश्लेषण हैं जो कमज़ोर संचालन और वित्तीय रूप से कमज़ोर कम्पनियों को पहले ही अलग हटा देते हैं। फिर 300-400 स्मॉल कैप स्टॉकों में से यह अनुशासित दृष्टिकोण सावधानीपूर्वक चुने गए 40-100 व्यवसायों पर केन्द्रीकृत कर देता है। इसकी शुरुआत पर, गणेश मोहन, प्रबंध निदेशक, बजाज फिन्सर्व एएमसी ने कहां, स्मॉल कैप फंड का शुभारंभ भारत के गतिशील स्मॉल कैप जगत की दीर्घकालिक क्षमता में हमारी गहरी आस्था को प्रदर्शित करता है।

रेत पर सवार सवाल : मुंगेली जिला में रेत माफियाओं पर कार्रवाई या प्रशासनिक लीपापोती

ऊँची दुकान, फीका पकवान — यही कहावत मुंगेली जिला प्रशासन की उस हालिया कार्रवाई पर सटीक बैठती है, जिसमें 600 ट्रैक्टर रेत अवैध भंडारण से जब्त कर ली गई, लेकिन असली सवालों की बाढ़ अब प्रशासन को बहाने को तैयार है

मुंगेली (समय दर्शन) खनिज समृद्धि में उलझी मुंगेली की प्रशासनिक विफलता अवैध रेत कारोबार पर कार्रवाई या दिखावटी सख्ती ?मुंगेली छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद प्रदेश सरकार द्वारा राज्य की अपार खनिज संपदा के संरक्षण, दोहन और नियमन के लिए छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली लागू की गई थी। उद्देश्य था प्राकृतिक संसाधनों का न्यायसंगत दोहन, अवैध उत्खनन पर रोकथाम और राज्य की राजस्व आय में वृद्धि।

लेकिन राज्य के बिलासपुर से विभाजित होकर नवगठित मुंगेली जिला में यह उद्देश्य आज तक साकार नहीं हो पाया। शासन की योजनाएं केवल कागज़ों तक सीमित हैं और खनिज विभाग की निष्क्रियता ने अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद कर दिए हैं।दस्तावेजों की अनुपलब्धता से संचालकीय संदेह राज्य गठन पश्चात अन्य जिलों की तुलना में मुंगेली जिला में अब तक खनिज विभाग से संबंधित अधिकांश महत्त्वपूर्ण फाइलें एवं दस्तावेज सुरक्षित नहीं हैं।सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी पर प्रशासन द्वारा भ्रामक ससूचनार्थ पत्र जारी किया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पत्थर खदान, क्रेशर प्लांट, खनिज पट्टे तथा अन्य खनिज संचालन से संबंधित महत्त्वपूर्ण अभिलेख मुंगेली कार्यालय में उपलब्ध नहीं हैं।

यह स्थिति यह संकेत देती है कि खनिज शाखा के संचालन में गंभीर लापरवाही या प्रशासनिक संरक्षण कार्यरत है। यही कारण है कि राजस्व आय का बड़ा हिस्सा संभावनाओं के बावजूद अछूता रह गया। रेत घाटों की संख्या में विसंगति दो स्वीकृत, सात हो सकते थे मुंगेली जिला तीन विकासखंडों पथरिया, लोरमी और मुंगेली में विभाजित है, जिनमें कई नदियाँ बहती हैं। इन नदियों से प्रशासनिक निर्माण कार्यों एवं निजी उपयोग के लिए रेत की लगातार आवश्यकता होती है।लेकिन वर्तमान में केवल दो रेत घाटों को छत्तीसगढ़ गौण खनिज अधिनियम के अंतर्गत स्वीकृति दी गई है, जबकि जिले में कम से कम सात घाटों को वैध रूप से आबंटित किया जा सकता था।यदि ऐसा होता तो अवैध उत्खनन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगता स्थानीय नागरिकों को सस्ते दर पर रेत उपलब्ध होती और जिला प्रशासन को प्रतिवर्ष लाखों रुपये की राजस्व आय प्राप्त हो सकती थी।इसके विपरीत, कलेक्टर, खनिज अधिकारी और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता ने रेत माफ़ियाओं को अवैध धंधे करने का अप्रत्यक्ष संरक्षण प्रदान किया है।मुंगेली ज़िले के पथरिया ब्लॉक के ग्राम बासीन, मदकू एवं मोतिमपुर में अवैध रेत भंडारण की सूचना पर की गई संयुक्त दबिश ने खनिज विभाग की निष्क्रियता को उजागर कर दिया। नदी में नाव चल गई,

किनारा जागता रहा — यह हालात तब हैं जब अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण एक सिलसिलेवार अपराध होते हैं, मगर प्रशासन को भनक तक नहीं लगती जब तक कोई सूत्र नहीं बताता।सबसे बड़ा सवाल ङ्क सूचना किसने दी? जिला जनसंपर्क कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्रवाई सराहनीय है, परन्तु सबसे अहम सवाल बना हुआ है ङ्क अवैध भंडारण की सूचना आखिर किसने दी? क्या यह एक जागरूक नागरिक था? या कोई सामाजिक कार्यकर्ता? क्या प्रशासन सूचना देने वाले की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा? आग लगी तो कुआँ खोदने वाली मानसिकता आखिर कब तक?

कार्रवाई में कौन-कौन शामिल रहा? एसडीएम अजय शतरंज के नेतृत्व में दबिश दी गई। इस दौरान 1800 घन मीटर रेत जब्त की गई, जो अनुमानत: 600 ट्रैक्टरों के बराबर बताई गई है। एक चैन माउंटेन मशीन और दो ट्रैक्टर भी जब्त कर सरगांव थाने में अभिरक्षा में रखे गए हैं। माइनिंग एक्ट के तहत कार्यवाही शुरू कर दी गई है। तहसीलदार, नायब तहसीलदार और खनिज अधिकारी श्रीमती ज्योति मिश्रा भी मौके पर उपस्थित थीं।

खनिज नीति की पोल खुली : सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार सच तो यह है कि मुंगेली जिले में केवल दो रेत घाट ही स्वीकृत हैं जमुनाही एवं बघर्रा और वह भी एक ही व्यक्ति सूभेन्द्रू सिंह को। यह अपने आप में एक ही थाली के चट्टे-बट्टे वाली स्थिति दर्शाता है।2012 से अब तक मिट्टी एवं मुरूम की कोई वैज्ञानिक खदान स्वीकृत नहीं की गई, जबकि इनकी भारी मांग रही है। इससे न केवल राजस्व का नुकसान हो रहा है बल्कि यह विभागीय भ्रष्टाचार की बुनियाद को भी उजागर करता है।सूचना का अधिकार में भी भ्रामक जानकारी दी जाती तो वहीं खनिज अधिकारी को मुंगेली जिला प्रशासन से संरक्षण का अधिकार ?सूत्रों के अनुसार, जिला खनिज अधिकारी द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी को जानबूझकर रोका गया है। इससे यह सवाल उठता है कि आखिर खनिज विभाग को दूध का धुला क्यों समझा जा रहा है?

शिकायतकर्ता को टालना प्रशासन की गंभीर चूक : एक नागरिक द्वारा जिला कलेक्टर से मुलाकात का प्रयास किया गया, लेकिन केवल पर्ची भेजने की औपचारिकता कर उसे टाल दिया गया। क्या यह शासन प्रशासन की ऊपर से सख्त, अंदर से पस्त कार्यशैली नहीं दर्शाता ?शासन की नींद टूटे, जिम्मेदारों की जवाबदेही तय हो

यह कार्रवाई मात्र खोखले ढोल की तरह न हो, इसके लिए ज़रूरी है कि सूचना देने वालों की पहचान व गोपनीयता को कानूनी सुरक्षा कवच मिले। खनिज विभाग की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ शिविर सेवा अधिनियम के अंतर्गत तय हो। मुरूम, मिट्टी, रेत इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक व पारदर्शी हो। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी रोकने वाले अधिकारियों पर स्पष्ट दंडात्मक कार्रवाई हो। एक समेकित व पारदर्शी खनिज नीति लागू की जाए, जिसमें जिले के राजस्व हित सर्वोपरि हों।अब भी न जागे तो देर हो जाएगी।जहाँ सड़ांध हो, वहाँ इत्र नहीं, सफाई की ज़रूरत होती है। मुंगेली में खनिज विभाग, जिला प्रशासन और शासन की निष्क्रियता एक बड़ी सड़ांध की तरह उभर कर सामने आई है। छत्तीसगढ़ शासन को चाहिए कि इस प्रकरण को केवल एक औपचारिक प्रेस विज्ञप्ति में न निपटाए, बल्कि स्वतंत्र जांच आयोग गठित कर दोषियों को न्याय के कटघरे में लाए।वरना रेत से भरे ट्रैक्टर भले ज़ब्त हो जाएं, पर प्रशासन की साख रेत की तरह हाथों से फिसलती रहेगी।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पथरिया जिला मुंगेली : अजय सतरंज

उपरोक्त लेख से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न बिन्दु पर जानकारी लेने पर बताया कि उपरोक्त कार्यवाही राजस्व ,पुलिस, खनिज विभाग कि संयुक्त टीम गठित कर किया गया है।और निरिक्षण जांच प्रतिवेदन पंचनामा कर अग्रीम कार्यवाही खनिज अधिकारी द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज अधिनियम के तहत् निम्नानुसार कार्यवाही किया जाएगा।

कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा मुंगेली में पदस्थ खनिज अधिकारी श्रीमती ज्योति मिश्रा

उपरोक्त लेख से संबंधित किए गए कार्यवाही से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न बिन्दु पर जानकारी लेने उनके मोबाइल नंबर 8827032392 में संपर्क किया गया परन्तु बात नहीं हो सका। और लंच में जाने उपरांत शाम छ: बजे तक कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित नहीं थे।

मुंगेली जिला कलेक्टर कुंदन कुमार

उपरोक्त लेख से संबंधित किए गए कार्यवाही से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न बिन्दु पर जानकारी लेने उनके मोबाइल नंबर 9310245077 में संपर्क किया गया परन्तु बात नहीं हो सका। यह पहली बार नहीं है जो मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर बात नहीं हुआ। फोन ही नहीं रिसीव किया जाता है।

लिंगराज मंदिर में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अर्पित किए पवित्र ध्वज, रथ यात्रा से पूर्व की क्षेत्र व प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक और नीलांचल सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संपत अग्रवाल ने आज अपने परिवार सहित उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित प्राचीन श्री लिंगराज मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। यह यात्रा आगामी 27 जून को आयोजित होने वाली श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में उनकी सहभागिता से पूर्व की गई, जिसमें वे श्रद्धा और आस्था के साथ शामिल होंगे।

अर्पित किए पवित्र ध्वज– इस अवसर पर विधायक डॉ. अग्रवाल ने पवित्र ध्वज अर्पित कर न केवल बसना विधानसभा क्षेत्र बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और सौहार्द की कामना की। उन्होंने कहा, लिंगराज मंदिर की दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से मन को गहन शांति मिलती है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि हमारे क्षेत्र में सदैव विकास, भाईचारा और समृद्धि बनी रहे।

जनसेवा और आध्यात्मिकता का संगम– विधायक डॉ. अग्रवाल की यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक जनप्रतिनिधि की आध्यात्मिक प्रतिबद्धता और जनकल्याण की भावना का प्रतीक बन गई है। विधायक बनने के पहले से नीलांचल सेवा समिति के माध्यम से वे लगातार सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं, और यह यात्रा उसी श्रृंखला की एक कड़ी है।

लिंगराज मंदिर का महत्व : आपको बता दे कि 12वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर भगवान हरिहर (शिव और विष्णु के संयुक्त रूप) को समर्पित है और भारत के सबसे प्राचीन और भव्य मंदिरों में गिना जाता है। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि भुवनेश्वर शहर की सांस्कृतिक पहचान भी है।

संक्षिप्त-खबर

एक पेड़ मां के नाम थीम पर कृषि विभाग बसना द्वारा पौधारोपण किया गया

बसना (समय दर्शन)। कलेक्टर महासमुंद विनय कुमार लगेह एवं उपसंचालक कृषि महासमुंद एफ आर. कश्यप के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम पर वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी उषा कांति खेस के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। एक पेड़ माँ के नाम एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। राष्ट्रव्यापी आंदोलन है जिसका उद्देश्य नागरिकों को अपनी माताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है – चाहे वे जीवित हों या दिवंगत । एक पेड़ माँ के नाम पर कृषि विभाग द्वारा पौध रोपड किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग के ग्रा.कृ.वि.अधि. मुरलीधर पटेल, हरिशंकर कैवर्त, मंजूरानी साहू, एवं किशोर कुमार टंडन प्रभुलाल यादव तथा विकासखंड बसना के कृषक गण उपस्थित रहें।

जनपद पंचायत में विधायक प्रतिनिधि बनने पर कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्यों ने किया जवाहर वर्मा का स्वागत

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन के लिए पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन विधायक भूपेश बघेल ने कांग्रेस नेता जवाहर वर्मा को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। श्री वर्मा ने बुधवार को जनपद पंचायत पाटन की सामान्य सभा में विधायक प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुआ। इससे पहले विश्राम गृह पाटन में कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्यों ने विधायक प्रतिनिधि बनने के बाद पहली बार बैठक में शामिल होने पाटन आगमन पर जोशीला स्वागत किया। इस अवसर पर आनंद बघेल, दिनेश साहू, रश्मि वर्मा, उर्वशी वर्मा, भेद प्रकाश वर्मा सहित अन्य मौजूद रहें।

जनसेवक फिरोज नवाब ने एक बार फिर पेश की मानवता और इंसानियत की मिसाल

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। लौह नगरी बचेली में जनसेवक फिरोज नवाब ने एक बार फिर मानवता और इंसानियत की मिसाल पेश की है। आदिवासियों के प्रति समर्पित भाव और जरूरतमंदों की हरसंभव मदद के लिए पहचाने जाने वाले फिरोज नवाब हमेशा सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। चाहे रक्तदान हो, इलाज की व्यवस्था हो या घायल व्यक्ति को बचाने का कार्य, उनकी प्राथमिकता हमेशा मानव सेवा रही है।19 जून की रात को मार्केट में काम करने वाले एक आदिवासी युवक, कोया, गंभीर हालत में डोम के अंदर कराहता हुआ पाया गया। सूचना मिलते ही फिरोज नवाब ने तुरंत कार्रवाई की और उसे अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान कोया की मृत्यु हो गई। पुलिस जांच में पता चला कि वह ग्राम करका का निवासी था, लेकिन पिछले 30 वर्षों से अपने गांव से संपर्क में नहीं था।कोई भी अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं था। तब बचेली थाना प्रभारी मधुनाथ ध्रुव ने ग्रामवासियों को बुलाकर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करवाए। इसके बाद फिरोज नवाब ने बचेली पुलिस और नगर पालिका के सहयोग से कोया का अंतिम संस्कार किया। इस कार्य में बचेली पुलिस और नगर पालिका का सहयोग सराहनीय रहा। फिरोज नवाब की यह पहल न केवल मानवता का उदाहरण है, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा भी है।

जैन साधु संतों साध्वियों को लेकर राज्य अल्पसंख्यक आयोग सतर्क

■ चतुर्मास पूर्व विहार के दौरान सभी जिलों को सुरक्षा व्यवस्था देने के निर्देश

रायपुर (समय दर्शन)। जैन समाज के साधु साध्वियों संतो के चातुर्मास स्थल पैदल विहार को लेकर राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने सभी जिलों को सतर्क कर दिया है । राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने सभी जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिया है कि चतुर्मास आरंभ होने के पूर्व पैदल यात्रा कर रहे संतों और उनके सेवादारों को आवागमन में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

यह निर्णय जैन समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा आयोग के अध्यक्ष से सौजन्य भेट कर चातुर्मास और पर्यवूषण पर्व के महत्व से अवगत कराने के बाद, संगठनों ने बताया कि चतुर्मास जैन धर्म में एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण समय होता है, इस दौरान साधु ,साध्वियाँ यात्रा नहीं करते । अत: इससे पूर्व वे अपने नीयत चातुर्मास स्थल तक विहार करते हैं । अध्यक्ष छाबड़ा ने निर्देशित किया कि, पैदल यात्रा कर रहे संतों को सुरक्षित व्यवस्थित और पूर्ण धार्मिक वातावरण में विहार का अवसर मिले । इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा पर्याप्त पुलिस सुरक्षा यातायात व्यवस्था और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई जावे। उन्होंने कहा यह हमारी संस्कृति एवं धार्मिक परम्पराओं का विषय है।

राज्यभर में चतुर्मास पूर्व हैं साधु संतों का विहार जारी है ऐसे में प्रशासनिक सजगता और समन्वय से धार्मिक आयोजन में सहजता सुनिश्चित की जाएगी

राष्ट्र निर्माण में समर्पित रवि चाणक्य : नरेंद्र मोदी विचार मंच के माध्यम से घर-घर पहुंचा रहे राष्ट्रवाद का संदेश

रायपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से राष्ट्रसेवा को जीवन का ध्येय बना चुके रवि चाणक्य, नरेंद्र मोदी विचार मंच के मुख्य संरक्षक एवं संयोजक हैं। अविवाहित रहकर अखंड भारत में सतत प्रवास कर रहे चाणक्य जी अपने संकल्प, संयम और समर्पण के लिए जाने जाते हैं। उनका समूचा जीवन भारत माता के चरणों में अर्पित है।

रवि चाणक्य का लक्ष्य स्पष्ट है ङ्क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की राष्ट्रहितकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के नागरिक तक पहुँचाना। उनका मानना है कि राष्ट्र का उत्थान तभी संभव है जब राष्ट्रवादी शक्तियाँ संगठित होकर कार्य करें और राष्ट्रविरोधी ताकतों का एकजुट होकर विरोध करें।

इसी उद्देश्य से नरेंद्र मोदी विचार मंच के तहत 28 अनुशांगिक संगठनों की स्थापना की गई है, जो देश के 500 से अधिक जिलों में सक्रिय हैं। हर संगठन में राष्ट्रीय स्तर से लेकर जिला स्तर तक जिम्मेदार

पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है — जिनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री, महामंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष शामिल हैं — जो योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करते हैं। इन संगठनों के कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री की योजनाओं के सफल संचालन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। वे न केवल स्थानीय स्तर पर योजनाओं की निगरानी करते हैं, बल्कि जनप्रतिनिधियों के कार्यों का मूल्यांकन कर रिपोर्ट सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाते हैं। मंच की रिपोर्टिंग प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी और परिणाममुखी है, जो राज्य इकाइयों से केंद्रीय कार्यकारिणी और वहाँ से प्रधानमंत्री कार्यालय तक जुड़ी हुई है।

यह पूरा अभियान न किसी राजनीतिक दल से प्रेरित है, न किसी निजी लाभ से संचालित, इसका एकमात्र ध्येय है — भारत को पुन: विश्वगुरु बनाना और नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रभक्ति के संकल्प को धरातल पर उतारना। रायपुर में विशेष बैठक: रणनीतिक चर्चा और मार्गदर्शन हाल ही में रायपुर में नरेंद्र मोदी विचार मंच के अनुशांगिक संगठन राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एच.डी. महंत द्वारा रवि चाणक्य जी से विशेष भेंट हुई।

इस अवसर पर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, भावी योजनाओं की रणनीति और राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

रवि चाणक्य जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि — राष्ट्रसेवा एक पवित्र तपस्या है। इसे निष्कलंक भाव से जीवन का ध्येय बनाकर ही सच्चे अर्थों में भारत माता की सेवा की जा सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया कि हर कार्य राष्ट्रहित में हो, ईमानदारी और निष्ठा के साथ हो, और हर योजना जनमानस तक पहुँचे।

प्राचार्य की विदाई के समय भावुक हुए छात्र छात्राएं, गोड़पेडरी हाई स्कूल में समारोह का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय हाई स्कूल गोडपेंद्री में पदस्थ प्राचार्य एसके टिकरिया का सेवानिवृत्ति के बाद विदाई समारोह का आयोजन किया गया ।इस आयोजन में गांव के प्रबुद्ध नागरिकों के अलावा ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे । पहली मर्तबा यह देखा गया है कि एक प्राचार्य के विदाई के समय वहां पर पढ़ने वाले बच्चे काफी भावुक दिखे। इसके अलावा यहां से पढ़कर जो निकल चुके हैं वह बच्चे भी इस विदाई समारोह में शामिल हुए और प्राचार्य संजय टिकरिहा को अपनी तरफसे विदाई का गिफ्ट भी दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉक्टर संजय टिकरिहा के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। उनके कार्यकाल में हाई स्कूल में काफी बच्चों ने अच्छे अंक लाकर विद्यालय व गांव को गौरवान्वित भी किया है। सामरोह में प्रमुख रूप से ग्राम के सरपंच तोरण साहू ,पप्पू गायकवाड सहित ग्राम के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वावलंबी योग ने विश्व योग दिवस देश के जवानों के साथ मनाया और दिया सन्देश, मुख्य सेनानी राजेश कुकरेजा थे उपस्थित

दुर्ग (समय दर्शन)। योग कोच आनन्द सिंह एवं स्वावलंबी योग की टीम ने भी अपने सभी साथियों को संदेश दिया कि योग रोज करना चाहिए और आनंद सिंह NSNIS ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस क्यों मनाया जाता है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (ह्वठ्ठ) में यह प्रस्ताव रखा था कि योग एक अमूल्य उपहार है और इसे वैश्विक स्तर पर अपनाया जाना चाहिए इस प्रस्ताव को 193 देशों में से 177 देशों ने समर्थन दिया यह अब तक के सबसे बड़े समर्थन वाले प्रस्तावों में से एक था इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने 11 दिसंबर 2014 को 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। योग दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य योग के लाभों के प्रति जागरूकता फैलाना और योग सिर्फ एक शारीरिक अभ्यास नहीं है, यह मानसिक, शारीरिक तथा आत्मिक संतुलन का माध्यम है। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना एवं आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में योग तनाव, चिंता और रोगों से लड़ने का एक सरल और प्रभावशाली तरीका है और भारतीय संस्कृति की एक अद्भुत देन को वैश्विक पहचान दिलाना विश्व योग दिवस हर साल 21 जून को ही क्यों मनाया जाता है। क्योंकी 21 जून वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है , और यह सूर्य से जुड़ा हुआ है जो ऊर्जा और जीवन का स्रोत माना जाता है। य ह दिन आंतरिक ऊर्जा के जागरण का प्रतीक भी है, जो योग के सिद्धांतों से मेल खाता है। मुख्य रूप से उपस्थिति सेनानी राजेश कुकरेजा स्वावलंबी प्रशिक्षक सोनू यादव, भूमिका पाण्डेय, दिक्षा साहू, वंदना साहू, हर्ष वर्मा,रही।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26